श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 59 ग्वालियर, मंगलवार 29 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

कैबिनेट ने 24,500 करोड़ के प्रस्तावों को दी मंजूरी, दमोह-कटनी सड़क के लिए 4,470 करोड़

अग्निवीरों को पांच वर्दीधारी विभागों में 20% आरक्षण

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मध्यप्रदेश कैबिनेट बैठक में करीब 24 हजार 500 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में अग्निवीरों को पांच वर्दीधारी विभागों की भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसका लाभ वन आरक्षक, गृह विभाग के सामान्य आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी और आबकारी आरक्षक की भर्ती में मिलेगा।

कैबिनेट ने दमोह-कटनी के बीच 105 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी। इस परियोजना पर करीब 4,470 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सरकार के अनुसार सड़क बनने से बुंदेलखंड क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह परियोजना सरकार के संकल्प पत्र में शामिल विकास कार्यों का हिस्सा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 3,113 करोड़ : स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए भी कई प्रस्ताव मंजूर किए गए। सिंगरौली में मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल के विस्तार के लिए 372 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के संशोधित अनुमान को मंजूरी देते हुए लागत 768 करोड़ से बढ़ाकर 953 करोड़ रुपए कर दी गई है। प्रदेश में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और अन्य

स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण के लिए अगले पांच वर्षों में 3,113 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

विद्यार्थियों को गणवेश के लिए 600 रुपए : कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों को गणवेश के लिए राशि सीधे अभिभावकों के खाते में भेजी जाएगी। प्रति गणवेश 600 रुपए डीबीटी के माध्यम से दिए जाएंगे। योजना पर करीब 48 करोड़ रुपए खर्च होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग की लंबित अनुकंपा नियुक्तियों में अभियान चलाकर करीब 900 लोगों को नियुक्ति दी गई है। मुख्यमंत्री ने अन्य विभागों में लंबित मामलों को भी जल्द निपटाने के निर्देश दिए।

सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी : दतिया की मां रतनगढ़ बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के लिए 168 करोड़ रुपए की निरंतरता मंजूर की गई। इससे 78 हजार 484 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलने का दावा किया गया है। रामपुर-मनासा सूक्ष्म उद्वहन परियोजना के लिए 524 करोड़ और सागर की बंडा वृहत सिंचाई परियोजना के लिए 1,052 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। उज्जैन की कान नदी डायवर्सन परियोजना को जारी रखने की भी मंजूरी मिली। इसके तहत 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाई जा रही है और सरकार के अनुसार करीब 51 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परियोजना का उद्देश्य कान नदी के प्रदूषित पानी को शिप्रा नदी में मिलने से रोकना है।

भोपाल मास्टर प्लान का प्रारूप जारी : कैबिनेट में भोपाल मास्टर प्लान के प्रारूप की जानकारी भी दी गई। लंबे समय से लंबित इस प्रारूप को जारी कर अब आम लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी। पर्यटन क्षेत्र में भी प्रदेश के 19 स्थलों के यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होने की जानकारी दी गई। इसके अलावा न्यायालय भवनों के निर्माण के लिए 691 करोड़ रुपए की निरंतरता तथा विमुक्त, घुमंतु और अर्धघुमंतु वर्ग के छात्रावासों को अनाज उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

मप्र के चार ऐतिहासिक स्थल यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में

भोपाल जीएनएस। मध्यप्रदेश की चार ऐतिहासिक धरोहरों के यूनेस्को की टेंटेटिव हेरिटेज सूची में शामिल होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

टेंटेटिव सूची में बाघ गुफाओं की चित्रकारी, गिन्नौरगढ़ किला, चंबल घाटी के मंदिर समूह और उदयगिरि गुफाओं को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का वैश्विक विस्तार हो रहा है। अब देश की 78 टेंटेटिव हेरिटेज साइट्स में मध्यप्रदेश की 19 धरोहरें शामिल हैं।

मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को मिले स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र

बच्चों के उत्कृष्ट विचार विकसित भारत का सपना सच करेंगे : उप मुख्यमंत्री

रीवा जीएनएस

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के स्कूलों में आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता की जिला स्तरीय प्रतियोगिता कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में हुई। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के चित्रों और भाषण प्रतियोगिता में व्यक्त विचारों से विश्वास हुआ है कि नई पीढ़ी विकसित भारत का सपना साकार करेगी। उन्होंने कहा कि भारत

2047 तक विश्वगुरु बनेगा और लंबे समय तक विश्व का नेतृत्व करेगा, जिससे दुनिया में शांति और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के विकास के प्रयास शुरू हुए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास को गति मिली। उनके अनुसार भारत 2014 से पहले विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जो अब चौथे स्थान पर है। मध्यप्रदेश और रीवा में भी विकास के कई कार्य हुए हैं। बच्चों को इन उपलब्धियों की जानकारी होना उत्साहजनक है।

उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि देश के विकास का वास्तविक लाभ आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। वर्ष 2047 में आज के बच्चे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे होंगे। उन्होंने युवाओं से देश के विकास से जुड़े विषयों को समझने और किसी भी तरह के भ्रम से बचने की अपील की। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग को बधाई दी। विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा देखकर वे अभिभूत हैं।

एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली नीरू ढांडा को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दी बधाई

भोपाल जीएनएस

जापान में चल रहे एशियन गेम्स-2026 की महिला ट्रैप शूटिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी भोपाल की खिलाड़ी नीरू ढांडा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में नीरू की स्वर्णिम उपलब्धि देश और प्रदेश की बेटियों तथा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने नीरू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वह इसी तरह देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करती रहें।

किसान चौपाल को संवाद का माध्यम बनाएं, श्रीअन्न और धान उपार्जन के लिए समय पर कराएं पंजीयन

मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर का बड़ा योगदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को मिलेट स्टेट बनाने में अनूपपुर जिले का महत्वपूर्ण योगदान है। जिले में जल संपदा के साथ कृषि की अपार संभावनाएं हैं। केवई उद्वहन सिंचाई परियोजना से सिंचाई सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश में तकनीक और नवाचार के माध्यम से कृषि उत्पादन व किसानों की आय बढ़ाने के साथ 100 लाख हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता का विस्तार करने का लक्ष्य है। किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से अनूपपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव से वर्चुअली जुड़े और किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा-संकल्प अभियान से अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर उन्हें किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जाए। उन्होंने किसानों से ज्वार, बाजरा सहित श्रीअन्न और धान उपार्जन के लिए शुरू हुए पंजीयन को समय रहते कराने का आह्वान किया।

किसान चौपालों में

समस्याओं का भी हो समाधान : डॉ. यादव ने कहा कि गांवों में किसान चौपाल आयोजित कर योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाए और किसानों की समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में धान, गेहूं, दलहन और तिलहन के साथ किसान नई फसलों और तकनीकों को भी अपना रहे हैं। जिले में मशरूम और स्ट्रॉबेरी की खेती जैसे नवाचार हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किसानों को पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि का भविष्य उज्ज्वल है और किसानों को अपने बच्चों को कृषि उद्योगों से जोड़ना चाहिए। सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है।

ग्रामीणों को परिवहन और निःशुल्क रजिस्ट्री की सुविधा : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शुरू की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा से दूरदराज के गांवों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों के लिए निःशुल्क रजिस्ट्री की व्यवस्था भी शुरू की गई है। सरकार बच्चों की बेहतर शिक्षा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रही है।

किसानों और विद्यार्थियों का सम्मान : कार्यक्रम में अनूपपुर के प्रगतिशील किसानों ने मुख्यमंत्री से वर्चुअल संवाद किया। किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्रों, सिंचाई सुविधाओं, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, फसल प्रदर्शन, किसान खेत पाठशाला और पशुपालन में कृत्रिम गर्भाधान तकनीक से बढ़े दुग्ध उत्पादन की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने किसानों को प्रोत्साहित किया।

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रामप्रमोद साहू, ओम प्रकाश जोगी, फतेलाल जयसवाल, जीवनलाल और जगदीश सिंह को सम्मानित किया गया। वहीं शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए दुर्गेश्वरी कोल, दुर्गा सिंह, धनश्री देवी, शुभा द्विवेदी और आकाश सिंह मरावी को सम्मान मिला। कार्यक्रम में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत कृषि यंत्रों, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और विभिन्न हितग्राही योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भोपाल में प्रदर्शन, दतिया से अवधेश नायक सहित कांग्रेस नेता हुए शामिल

दतिया, जीएनएस।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को भोपाल में आयोजित कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में दतिया से प्रदेश महासचिव अवधेश नायक के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया।

इस दौरान दतिया से प्रदेश महासचिव अवधेश नायक, वरिष्ठ नेता श्री वद्री समाधिया, श्री सतेंद्र खरे,पूर्व पार्षद श्री सलीम कामरेड,डॉ.राकेश खरे एवं पूर्व संगठन मंत्री सुरेश झा सहित

अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आवाज उठाई। कांग्रेस की ओर से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं तथा इन मुद्दों की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है।

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अवधेश नायक की पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा,पूर्व मंत्री पीसी शर्मा,पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल,सांसद अशोक सिंह एवं प्रदेश प्रवक्ता मुकेश नायक से आत्मीय भेंट भी हुई। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

दतिया से कांग्रेस नेताओं की सहभागिता को लेकर अवधेश नायक ने कहा कि मतदाता अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना जरूरी है।

ग्वालियर के 15 विधानसभा में जनसंपर्क

बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में मान्यवर कांशीराम साहब जी के महापरिनिर्वाण एवं श्रद्धांजलि सभा छतरपुर की तैयारी को लेकर ग्वालियर के 15 विधानसभा में जनसंपर्क

जिसमें मुख्य रूप से

माननीय वीर सिंह जाटव जी (लोकसभा प्रभारी बसपा ग्वालियर)

माननीय काले मौर्य जी (शहर अध्यक्ष बसपा)

माननीय जसवंत मिहोलिया जी (पूर्व जिला बसपा

माननीय एच डी सिंह मौर्य जी (पूर्व जिला कोषाध्यक्ष बसपा)

माननीय मेहताब सिंह गौतम जी सिंह गौतम जी (पूर्व विधानसभा प्रभारी बसपा)

माननीय राघवेंद्र चौधरी जी (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बसपा)

माननीय बंटी जयंत जी (वरिष्ठ कार्यकर्ता बसपा)

माननीय बसंत वर्मा जी वरिष्ठ कार्यकर्ता बसपा

माननीय मनोज जाटव जी वरिष्ठ कार्यकर्ता बसपा

माननीय उदयवीर जी (वरिष्ठ कार्यकर्ता बसपा)

आदि कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क किया

सभी तहसीलों में पटवारियों को पैरा लीगल वालंटियर के रूप में नियुक्त करें - कलेक्टर

आवेदकों को आवेदन प्रस्तुत करने एवं अपनी समस्या रखने में सहयोग करेंगे पटवारी

मुरैना, जीएनएस।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए कि प्रत्येक तहसील में पटवारियों को पैरा लीगल वालंटियर के रूप में नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पटवारी पैरा लीगल वालंटियर के रूप में ऐसे आवेदकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे, जो स्वयं अपना आवेदन प्रस्तुत करने अथवा अपनी समस्या को उचित रूप से रखने में असमर्थ हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन से प्राप्त प्रत्येक आवेदन को निर्धारित शासकीय प्रक्रिया के तहत दर्ज करते हुए उसका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत सहित जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राप्त होने

वाला प्रत्येक आवेदन लोक सेवा में दर्ज हो। आवेदन प्राप्त होने के बाद आवेदक को उसकी प्राप्ति उपलब्ध कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि तहसील कार्यालय के संबंधित कर्मचारी द्वारा आवेदन की प्राप्ति देने में कठिनाई होती है, तो तहसीलदार स्वयं आवेदक को आवेदन की प्राप्ति उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवेदनों के निराकरण में लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा प्रकरणों को प्राथमिकता नहीं देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नामांतरण प्रकरणों के निराकरण की नियमित समीक्षा करें

नामांतरण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रकरण के निराकरण के समय संबंधित आवेदक से दूरभाष पर संपर्क कर उसे निराकरण की जानकारी दी जाए। संबंधित अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा आवेदक से संपर्क किया गया है अथवा नहीं, इसकी भी नियमित निगरानी की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की जानकारी संबंधित अभिलेख में दर्ज की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पटवारी स्तर से किए गए निर्णय एवं जारी पत्र की प्रति संबंधित आवेदक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। पटवारी द्वारा निर्णय की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखी जाए तथा तहसील से प्राप्त होने वाले अभिलेखों की प्रति तहसील स्तर पर तहसीलदार के अधीन सुरक्षित रखी जाए। पटवारी कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीमांकन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी दो दिवस में जितना सीमांकन कार्य किया जा सकता है, उसे तत्काल पूर्ण कराया जाए।

12 अक्टूबर तक छह माह से अधिक पुराने लंबित प्रकरणों का करें निराकरण

अभिलेख दुरुस्ती एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छह माह से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों का 12 अक्टूबर तक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराएं

कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को प्राथमिकता से लेते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नियमित समीक्षा करते हुए कार्य में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक में विभिन्न राजस्व कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित कार्यों में एक सप्ताह के भीतर अपेक्षित प्रगति दिखाई देनी चाहिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 3 एवं 4 अक्टूबर को लगेंगे सेवा सेतु शिविर

'सरकार आपके द्वार' की अवधारणा के तहत आमजन को मौके पर ही उपलब्ध कराएं शासकीय सेवाओं का लाभ - कलेक्टर

मुरैना, जीएनएस।

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने लैंड एक्विजिशन, अलॉटमेंट एवं आइडेंटिफिकेशन से संबंधित कार्यों की समीक्षा के साथ शहर, ग्राम पंचायतों एवं शासकीय स्कूल भवनों में साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि 'सरकार आपके द्वार' की अवधारणा के तहत 3 अक्टूबर को प्रत्येक विकासखंड स्तर पर तथा 4 अक्टूबर को नगरीय क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। नगर निगम में जोनवार तथा नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्रों में एक स्थान पर शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के नोडल अधिकारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रहेंगे।

उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों के लिए सुगम पहुंच वाले तथा घनी आबादी के आसपास के स्थानों का चयन किया जाए। सभी संबंधित विभाग आवश्यक स्टॉल एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करें। प्रत्येक स्टॉल पर दक्ष कंप्यूटर ऑपरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आवेदन, पंजीयन एवं अन्य आवश्यक कार्य मौके पर ही किए जा सकें।

पात्र हितग्राहियों का डाटा तैयार कर शिविर में दें योजनाओं का लाभ

कलेक्टर ने पूर्व से योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों का ग्राम पंचायतवार डाटा संधारित करने तथा स्वीकृत आवास एवं अन्य स्वीकृत प्रकरणों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। योजनाओं के प्राप्त आवेदनों को भी सूचीबद्ध कर पात्र हितग्राहियों को शिविर के माध्यम से लाभ उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने पीएम किसान, फार्मर आईडी सहित विभिन्न योजनाओं के स्टॉल लगाने तथा 'गांव की बेटी' योजना सहित जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में अधिकतम सेवाएं उपलब्ध हों और अंतरविभागीय समन्वय के माध्यम से पात्र प्रकरणों में यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाए।

खुशियों की दास्तां: किसानों की जिंदगी आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध सरकार

एक स्विच दबाकर सिंचाई कर रहे ग्राम आंतों के कृषक श्री रामकुमार

भिण्ड, जीएनएस।

भिण्ड जिले के ग्राम आंतों के किसान श्री रामकुमार सिंह चौहान की जिंदगी में प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना ने नई रोशनी भर दी है। इस योजना के तहत उनके खेतों में लगे सोलर ऊर्जा पंप ने सिंचाई की पुरानी समस्याओं को हमेशा के लिए खत्म कर दिया है। खेतों में पानी की बड़ी समस्या अब दूर हो गई है।

प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत उनके खेत में लगाए गए सौर ऊर्जा प्लेट (सोलर पंप) से अब एक स्विच दबाने से ही सिंचाई संभव हो रही है।

श्री चौहान ने बताया कि पहले बिजली की भारी कमी के कारण सिंचाई में बाधा आती थी, लेकिन सोलर पंप लगने के बाद सभी समस्याओं का समाधान हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे किसानों के लिए वरदान बताया। यह योजना मध्य प्रदेश में

पीएम-कुसुम (बी) के तहत लागू की गई है और किसानों को 7.5 एचपी तक के सोलर पंप पर 90 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जाती है।

ग्राम आंतों के किसान श्री रामकुमार सिंह चौहान पहले अपने खेतों में सिंचाई के लिए बिजली की अनियमित आपूर्ति से बहुत परेशान रहते थे। बिजली की कटौती और डीजल पंपों की बढ़ती लागत ने उनकी खेती को महंगा बना दिया था। लेकिन जब से उन्होंने प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत अपने खेत में 50 हजार रुपए अंशदान तथा शेष शासकीय सब्सिडी से रोटोमेग का 05 एचपी का सोलर ऊर्जा पंप लगवाया है, उनकी सारी समस्याएं दूर हो गई हैं। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना मूल रूप से मध्य प्रदेश सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसे 24 जनवरी 2025 को केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना के साथ जोड़कर लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को सिंचाई के लिए सस्ती, स्थायी और बिजली की अनिश्चितता से मुक्त ऊर्जा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि किसान अब ग्रिड बिजली की अनिश्चित आपूर्ति पर निर्भर नहीं रहते। सोलर ऊर्जा एक स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत है। किसान ऑनलाइन पोर्टल ीजजचेरूध्ध्बउेवसंतचनउचण्उचण हवअण्पद के माध्यम से आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

सफलता की कहानी: 'मेरे सपनों का भारत' को रंगों से साकार कर भितरवार की दीपिका जाटव ने जीता जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार

ग्वालियर, जीएनएस। प्रतिभा संसाधन की मोहताज नहीं होती, यह बात एक बार फिर सच साबित कर दिखाई है भितरवार की होनहार छात्रा दीपिका जाटव ने। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिक्षानगर, ग्वालियर में आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट कन्या छात्रावास, भितरवार में निवासरत कक्षा 10वीं की छात्रा कु. दीपिका जाटव ने सेवा-संकल्प अभियान के तहत 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपनी अद्भुत कल्पना को कैनवास पर उतारते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

दीपिका द्वारा बनाई गई पेंटिंग में विकसित, स्वच्छ, आत्मनिर्भर और एकता के सूत्र में बंधे भारत की परिकल्पना को निर्णायकों ने खूब सराहा। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दीपिका की इस उपलब्धि पर छात्रावास अधीक्षक श्रीमती रश्मि तोमर ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि - ÷छात्रावास में छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनकी रचनात्मक और प्रतिभात्मक क्षमताओं को निखारने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। दीपिका की यह सफलता अन्य सभी छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

छात्रा की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर छात्रावास के समस्त स्टाफ और छात्राओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। दीपिका की यह सफलता बताती है कि यदि इरादे मजबूत हों तो सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने देखे और जीते जा सकते हैं।

बूथ क्रमांक 158 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

ग्वालियर, जीएनएस। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 138वें 'मन की बात' कार्यक्रम का आज ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के हेमू कालाणी मंडल अंतर्गत बूथ क्रमांक 158 पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा, भाजपा ग्वालियर महानगर के जिला महामंत्री श्री जवाहर प्रजापति, जीडीए उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, मंडल अध्यक्ष श्री सतपाल जादौन, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री नियाज मोहम्मद, पार्षदगण श्री मोहित जाट, संजीव पोतनीस, सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भूषण नारले, प्रदीप मुदगल, विमल जैन, अंकित राजपूत, रामहेत इमले, नन्हे सिंह कुशवाहा, नरेंद्र चौहान, रमा जादौन, दिव्या अग्रवाल, अनूप उदानिया, योगेश मिश्रा, राकेश शर्मा, बजरंग सेंगर एवं नवीन बमरोलिया सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री जी के संबोधन को सुना। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशहित, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर दिए गए संदेश को ध्यानपूर्वक सुना तथा 'मन की बात' के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने वाले सकारात्मक संदेशों पर चर्चा की।

कॉम्बिंग गश्त में 183 फरार वारंटी गिरफ्तार 285 गुण्डे-हिस्ट्रीशीटरों की हुई चेकिंग

कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के विभिन्न थानों में 89 स्थाई एवं 94 गिरफ्तारी सहित कुल 183 वारंटियों को किया गिरफ्तार और 285 गुण्डा, हिस्ट्रीशीटरों को किया चेक

ग्वालियर, जीएनएस। त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए तथा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में दिनांक 27/28 सितंबर 2026 की दरमियानी रात्रि शहर व देहात के थाना क्षेत्रों में देर रात तक कॉम्बिंग गश्त किया गया। इस दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक (मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक (पश्चिम/अपराध) सुमन गुर्जर(भापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल(रापुसे), अति0 पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर(रापुसे) एवं ग्वालियर पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ मय पुलिस बल के ग्वालियर शहर एवं देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गश्त किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा शहर में स्वयं कॉम्बिंग गश्त का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों द्वारा अधीनस्थ थाना बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र में पैदल गश्त किया गया। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया। इस गश्त के लिये पुलिस की टीमें बनाकर शहर व देहात क्षेत्रों में संवेदनशील इलाकों में भी गश्त की गई। इस दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों तथा मुंह बांधे दो पहिया वाहन चालकों की चेकिंग की गई।

इस दौरान पुलिस ने जिले में कुल 89 स्थाई वारंट, 94 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये गये साथ ही 139 गुण्डा एवं 146 हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान धारा 151 जाफौ के तहत 01 तथा अन्य प्रकरण में 01 कार्यवाही की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाशों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। शहर व देहात क्षेत्र की गली मौहल्लों में घूमकर पुलिस ने गुण्डे, बदमाशों की धरपकड़ की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से यह कॉम्बिंग गश्त कराई गई। पुलिस टीमों द्वारा गुण्डों एवं बदमाशों तथा जिला बदर के आरोपियों के घर जाकर उनकी जानकारी ली गई, चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाश को चेतावनी भी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आये आरोपियों को भी चेक किया गया। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से ग्वालियर पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

बोलेरो कार से अवैध देशी/अंग्रेजी शराब की 10 पेटियां बरामद, शराब तस्कर गिरफ्तार

गुना, जीएनएस। गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न अवैध एवं अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त माफियाओं, कारोबारियों एवं तस्करों के विरुद्ध सतत एवं प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी राघौगढ़ श्रीमती दीपा डोडवे के पर्यवेक्षण में

राघौगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह जाट के नेतृत्व में जंजाली चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रसना राजावत और उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए बोलेरो कार से शराब तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । दिनांक 27 सितंबर 2026 को राघौगढ़ थानांतर्गत जंजाली चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि नारायणपुरा शक्कर कारखाना के पास एक व्यक्ति शराब की बोलेरो कार क्रमांक स्क्क07 ष्ठ 7145 में शराब की पेटियां रखकर उन्हें बेचने की फिराक में खड़ा है । थाना क्षेत्र से शराब तस्करी की सूचना को गंभीरता से लेते हुए जंजाली चौकी से तत्काल पुलिस की एक टीम कार्यवाही हेतु रवाना हुई । पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए नारायणपुरा शक्कर कारखाना के पास खड़ी संदिग्ध बोलेरो सहित एक व्यक्ति को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम दिग्प्रताप सिंह उर्फ अस्सू पुत्र रामबहादुर सिंह परिहार, उम्र 42 वर्ष, निवासी गायत्री कॉलोनी, कुंभराज, जिला गुना का बताया । कार की तलाशी लेने पर उसमें शराब की 10 पेटियां बरामद हुई, जिनमें 02 पेटी देशी मदिरा प्लेन, 07 पेटी देशी मदिरा मशाला एवं 01 पेटी 8क्कू अंग्रेजी शराब की पाई गई, जिन सभी 10 पेटियों में कुल 480 क्वाटर रखे हुए थे । पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से बरामद देशी/अंग्रेजी शराब, जिसकी कीमत करीब 52 हजार।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

पराली की समस्या का वैज्ञानिक समाधानः किसान और विज्ञान साथ-साथ

पराली जलाना उत्तर भारत के धान-गेहूं उत्पादक क्षेत्रों की प्रमुख पर्यावरणीय चुनौतियों में है। धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच समय कम होने के कारण किसान खेत जल्दी तैयार करने के लिए पराली जलाने का विकल्प अपनाते हैं। इसलिए इसे केवल किसानों की समस्या या विफलता के रूप में देखने के बजाय कृषि, अर्थव्यवस्था, तकनीक और पर्यावरण से जुड़ी जटिल चुनौती के रूप में समझना होगा। किसान पराली इसलिए जलाता है क्योंकि उसे कम समय और कम लागत में खेत तैयार करना होता है। पराली हटाने में श्रम, मशीन और परिवहन पर खर्च आता है। ऐसे में विज्ञान की भूमिका केवल सलाह देने की नहीं, बल्कि किसान को सस्ता, तेज और व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध कराने की है। आधुनिक कृषि मशीनें इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और मल्चर जैसी तकनीकें पराली को जलाए बिना खेत में ही उसका प्रबंधन करने में मदद करती हैं। इससे फसल अवशेष मिट्टी में जैविक पदार्थ के रूप में बने रह सकते हैं। हालांकि तकनीक तभी सफल होगी, जब वह किसान की पहुंच और आर्थिक क्षमता के भीतर हो। इसके लिए सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों, कस्टम हायरिंग केंद्रों और ग्राम स्तर की मशीनरी बैंकों के माध्यम से साझा मशीनरी उपलब्ध कराना उपयोगी हो सकता है। पराली को खेत में मिलाने के साथ इसे उपयोगी संसाधन में बदलने की संभावनाओं पर भी काम होना चाहिए। फसल अवशेषों का उपयोग जैव ऊर्जा, कम्पोस्ट, जैवचार, कागज, पैकेजिंग और मशरूम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में किया जा सकता है। यदि किसान को पराली बेचने या उपलब्ध कराने से नियमित आय मिले तो यह समस्या धीरे-धीरे आर्थिक अवसर में बदल सकती है। इसके लिए संग्रहण, परिवहन और बाजार की मजबूत व्यवस्था जरूरी है। अनुसंधान संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। प्रयोगशाला में विकसित तकनीक तभी सफल मानी जाएगी, जब वह वास्तविक खेत में कम लागत, कम समय और सरल संचालन के साथ काम करे। किसानों को शोध प्रक्रिया में भागीदार बनाना होगा, क्योंकि स्थानीय मिट्टी, मौसम और खेती की परिस्थितियों का व्यावहारिक ज्ञान उनके पास होता है। प्रदर्शन खेत और किसान से किसान सीखने की व्यवस्था नई तकनीकों को अपनाने में भरोसा बढ़ा सकती है। साथ ही आर्थिक प्रोत्साहन, प्रशिक्षण और आधारभूत सुविधाएं भी जरूरी हैं। केवल जुर्माने या निगरानी से स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। उपग्रह निगरानी जैसी तकनीकें घटनाओं की पहचान में सहायक हो सकती हैं, लेकिन उसके साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसान को व्यावहारिक विकल्प उपलब्ध हों। पराली प्रबंधन को जलवायु-अनुकूल कृषि से भी जोड़ना होगा। फसल अवशेष जलाने से प्रदूषण बढ़ता है और खेत का जैविक पदार्थ नष्ट होता है। इसके विपरीत उचित प्रबंधन मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने और संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद कर सकता है। इस समस्या का स्थायी समाधान किसान बनाम पर्यावरण की सोच में नहीं, बल्कि किसान और विज्ञान के साथ आने में है। वैज्ञानिक तकनीक विकसित करें, इंजीनियर उपयोगी मशीनें बनाएं, सरकारें सहयोगी नीतियां तैयार करें, उद्योग पराली से उत्पाद और बाजार विकसित करें तथा किसान स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बेहतर विकल्प अपनाएं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

विश्व हृदय दिवस पर विशेष

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!!

-ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा

देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरुआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने ÷डोंट मिस ए बीट÷ थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज़्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द. जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रान्ति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए।

धन, पद और प्रतिष्ठा यहीं रह जाते हैं, साथ जाता है तो केवल हमारा कर्म

मृत्यु अंतिम सत्य, जीवन कर्मों की कहानी

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

मनुष्य के जन्म के साथ ही उसकी जीवन-यात्रा शुरू हो जाती है। जन्म और मृत्यु के बीच का यह सफर किसी के लिए लंबा होता है तो किसी के लिए छोटा, लेकिन इसकी अंतिम मंजिल निश्चित है। आज तक कोई ऐसा मनुष्य नहीं हुआ, जिसने अमरत्व प्राप्त किया हो। जिसने जन्म लिया है, उसे एक दिन मृत्यु का सामना करना ही है। मृत्यु निश्चित है, लेकिन उसका समय अनिश्चित।

हमारे आसपास ऐसे असंख्य लोग रहे हैं, जो कभी हमारे साथ थे, बातचीत करते थे, सपने देखते थे और अपने जीवन को अपनी तरह जीते थे। आज वे हमारे बीच नहीं हैं। किसी के पास धन था, किसी के पास शक्ति, किसी के पास ज्ञान और किसी के पास सामाजिक प्रतिष्ठा। परिस्थितियां भले अलग रही हों, लेकिन मृत्यु ने सभी को एक ही सत्य के सामने खड़ा किया–सबका अंत एक है।

अपनों की मृत्यु सबसे अधिक क्यों दुख देती है?

किसी अपरिचित व्यक्ति के निधन पर हम संवेदना व्यक्त करते हैं और फिर धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या में लौट आते हैं। लेकिन जब कोई अपना चला जाता है तो उसके जाने का खालीपन लंबे समय तक बना रहता है। इसका कारण केवल व्यक्ति का चले जाना नहीं है। उसके साथ हमारी स्मृतियां, भावनाएं और जीवन के कई हिस्से भी जैसे अचानक ठहर जाते हैं।

किसी अपने की मृत्यु हमें यह भी याद दिलाती है कि जीवन स्थायी नहीं है। हम केवल किसी प्रियजन को खोने का दुख नहीं झेलते, बल्कि पहली बार अपने जीवन के अंतिम सत्य को भी बहुत करीब से महसूस करते हैं।

मृत्यु दूसरों की नहीं, हमारी भी कहानी है

किसी अपने के जाने के बाद मन में अक्सर सवाल उठता है कि मृत्यु इतनी पीड़ा क्यों देती है? शायद इसलिए कि वह हमें जीवन-चक्र का हिस्सा होने का एहसास कराती है। आज कोई और गया है, कल हमारी बारी भी आ सकती है।

ईश्वर को मानने वाला इसे ईश्वर की व्यवस्था कह सकता है और प्रकृति को जीवन का आधार मानने वाला इसे प्रकृति का शाश्वत नियम। दृष्टिकोण अलग हो सकता है, लेकिन निष्कर्ष एक ही है–जीवन परिवर्तनशील है और उसका अंत निश्चित है।

फिर सवाल उठता है कि जब सब कुछ समाप्त हो जाएगा तो हमारे साथ क्या जाएगा? न धन, न संपत्ति, न पद, न प्रतिष्ठा और न शक्ति। पीछे रह जाएंगे हमारे कर्म और लोगों के जीवन पर छोड़ी गई हमारी छाप।

जिसे साथ ले जाना नहीं, उसके लिए इतनी दौड़ क्यों?

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम मृत्यु के सत्य को जानते हुए भी उसे अपने व्यवहार में नहीं उतार पाते। हमें मालूम है कि धन स्थायी नहीं है, पद स्थायी नहीं है और प्रतिष्ठा भी समय के साथ बदल सकती है। फिर भी हमारा अधिकांश जीवन इन्हीं को हासिल करने की दौड़ में बीत जाता है।

धन और शक्ति अर्जित करना गलत नहीं है। असली प्रश्न यह है कि उन्हें पाने के लिए हम कौन-सा रास्ता चुनते हैं और उसकी कीमत कौन चुकाता है। कहीं ऐसा तो नहीं कि मंजिल हासिल करने की कोशिश में हम अपने संबंध, ईमानदारी, संवेदना और नैतिकता पीछे छोड़ दें?

अपने आसपास के जीवन से सीखिए : हम इतिहास की किताबों में महान लोगों के उत्थान और पतन की कहानियां पढ़ते हैं। लेकिन अपने परिवार और आसपास के लोगों के जीवन को भी यदि ध्यान से देखें तो जीवन के अनेक सत्य वहीं दिखाई दे जाते हैं। जिन लोगों को हमने कभी देखा, जिनके साथ समय बिताया, जिनसे बातचीत की–वे आज कहां हैं? उन्होंने क्या कमाया, क्या बनाया और उनके जाने के बाद इनमें से क्या उनके साथ गया?

इन सवालों के जवाब शायद हमें किसी पुस्तक से अधिक अपने आसपास के जीवन में मिल सकते हैं।

सवाल यह नहीं कि कितना कमाया, बल्कि कैसे जिया

जीवन की सफलता को हर व्यक्ति अलग-अलग तरीके से परिभाषित करता है। किसी के लिए धन सफलता है, किसी के लिए पद और किसी के लिए प्रतिष्ठा। लेकिन मृत्यु के सामने खड़े होकर सफलता की परिभाषा बदल जाती है।

तब महत्वपूर्ण यह नहीं रहता कि हमने कितना कमाया, बल्कि यह होता है कि हमने कमाई और उपलब्धियों के बीच कैसा जीवन जिया। क्या हमने किसी जरूरतमंद की सहायता की? क्या किसी दुखी व्यक्ति के आंसू पोंछे? क्या अपने सामाजिक और नैतिक दायित्व निभाए? क्या हमारी वजह से किसी के जीवन में कुछ अच्छा जुड़ा?

यही वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर हमारी अनुपस्थिति में भी हमारे बारे में बताते रहेंगे। वास्तविक सफलता शायद इसी में है कि जीवन की यात्रा में हमने ईमानदारी का साथ न छोड़ा, लालच को स्वयं पर हावी न होने दिया, अन्याय का रास्ता न चुना और जहां संभव हुआ, दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया।

मनुष्यों की सभी विपदाओं का नाश करती है श्रीमद्भागवत कथा

बोधगया, जीएनएस। रतन रोड़ स्थित धम्मा ग्रैंड होटल एंड रिसॉर्ट में मंगलायतन सेवा ट्रस्ट के द्वारा पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन प्रात:काल वेदज्ञ ब्राह्मणों के आचार्यत्व में विधि - विधान से पितरों के निमित्त तर्पण किया गया।साथ ही श्रीमद्भागवत महापुराण का मूल पारायण किया गया।तत्पश्चात व्यासपीठ पर आसीन अखण्ड दया धाम वृन्दावन/हरिद्वार के संस्थापक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी से देश-विदेश से आए असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं को द्वितीय दिवस की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि मनुष्यों के जब कई-कई जन्मों के पुण्यों का उदय होता है, तब ही उसे हरि कथा व सत्संग आदि श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होता है।श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा श्रवण करने से मनुष्यों के ऊपर आने वाली सभी विपदाओं का

नाश हो जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वेदव्यासजी द्वारा रचित श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा सभी प्रकार के अरिष्टों को दूर करने वाली है।इसका वाचन, श्रवण एवं अध्ययन तीनों ही मंगलकारी एवं कल्याणकारी है।इसमें समस्त धर्म ग्रंथों का सार समाहित है।इसीलिए इसे पंचम वेद कहा गया है। पूज्य भास्करानंद महाराज ने कहा कि पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत कथा सुनने या पाठ करने से पितरों को शांति, मोक्ष और पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में भागवत कथा श्रवण करने से हमारे पितरों को तृप्ति मिलती है और उनका अगला लोक सुधारता है।परिवार में चल रहे कष्ट, बाधाएं या पितृ दोष भागवत कथा के पुण्य प्रभाव से शांत होते हैं। महोत्सव में महाराजश्री की परम् कृपापात्र शिष्या साध्वी कृष्णानंद महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा से ओत-प्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन कर सभी को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में साहित्य-संस्कृति-मनीषी ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी (वृन्दावन), महोत्सव के मुख्य यजमान दीन दयाल सिंघल एवं जगदीश प्रसाद सिंघल (पुणे, महाराष्ट्र), आध्यात्मिक पत्रकार डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पितर पक्ष आया...

पितर पक्ष आया बरसे हैं पुरखों का आशीष,
तर्पण कर श्रद्धा से नतमस्तक चरणों में शीश,
हैं यह सोलह दिनों का श्रद्धेय त्यौहार विशेष,
पूर्वज आते देने अपना आशीर्वाद अशेष ।
मन के विषाद से मुक्त हो करें पवित्र प्रार्थना,
नेह आशीष से पितरों के फलीभूत कामना,
कर तर्पण कर्म वचन से सदा कीजिए आभार,
पितृजनों की कृपादृष्टि से फले-फूले परिवार ।
तिथि विशेष करते पूजन अर्चन तर्पण समर्पण,
भूल चूक की क्षमा याचना से कटे दुख बंधन,
श्राद्धपक्ष में अमृत फ्रआनंदफ्र की बरसती बरखा,
देख परिवार को इक्ट्ठा पितरों का मन हरखा ।
पितरों का तर्पण प्रेम भावपूर्ण से हो सजदा,
इन पैतृक संस्कारों का मान रखें हम सर्वदा,
कोटि-कोटि वंदन पितरों को मार्ग न हो अवरूद्ध,
गौ ग्रास और काग को थाली सेवा भाव शुद्ध ।
अंजुरी भरी जल की और मन का सुंदर दीपक,
शुभचिंतक परिवार के पितर पालक और रक्षक,
पितरों की संतुष्टि से बरसता वैभव घर द्वार,
पाया ये जीवन जिनसे नमन उन्हें बारम्बार ।

मोनिका डागा आनंद, चेन्नई

JIPSR महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

ग्वालियर, जीएनएस। व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज के अंतर्गत संचालित जय इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, ग्वालियर में आज विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फार्मेसी के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, समाज एवं स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका तथा जन-जागरूकता के प्रति उनके दायित्वों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में डॉ. रामबाबू त्रिपाठी, एच.ओ.डी. फार्मेसी विभाग, अमेटी यूनिवर्सिटी एवं सुश्री तृप्ति साहू, असि. प्रो. फार्मेसी विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय उपस्थित रहें। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक, रचनात्मक एवं

जागरूकता आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, पोस्टर प्रेजेन्टेशन, रंगोली, फार्मा क्वीज़ सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। जगरूकता रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने आमजन को दवाओं के सुरक्षित एवं सही उपयोग, फार्मासिस्ट की भूमिका तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें फार्मा क्वीज़ में निहारिका तोमर, शिवानी जाटव, विकास जाटव, अब्दुल आगाज़ खांन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वही रंगोली प्रतियोगिता में अंशु बघेल, कंचन कुमारी एवं तनिष्का जैन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । तो वही पोस्टर प्रेजेन्टेशन में खुशी साहू बीफार्मा तृतीय वर्ष प्रथम स्थान पर रही। मौखिक प्रेजेन्टेशन प्रतियोगिता में कुलदीप रावत बीफार्मा द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान की ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷फार्मासिस्ट केवल दवाओं के विशेषज्ञ नहीं, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण कड़ी हैं। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान, कौशल और जिम्मेदारी के माध्यम से समाज की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में योगदान देना चाहिए।÷ उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के हित में करना है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

दाऊ जी मंदिर के सामने कथित अवैध निर्माण को लेकर विहिप और बजरंग दल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लहार। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वार्ड क्रमांक 5 स्थित दाऊ जी मंदिर के सामने हो रहे एक निर्माण कार्य को अवैध बताते हुए अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा है। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से निर्माण की अनुमति और जमीन के सीमांकन से जुड़े वैध दस्तावेजों की जांच कर विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की है। विहिप प्रखंड अध्यक्ष रामबाबू बघेल और बजरंग दल के स्थानीय संयोजक विश्वनाथ प्रताप सिंह ने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया कि क्षेत्र में नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए कहा कि यदि निर्माण अवैध पाया जाता है और समय रहते उचित प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

झगड़ा करने पर चौकी प्रभारी ने चार लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग में किया चालान

जालौन, जीएनएस। मोहल्ला मिर्जा मंडी में पत्नी से पति झगड़ा एवं काशीराम कॉलोनी में लाइट को लेकर तीन लोग समेत चार लोग झगड़ा कर रहे थे तभी चौकी प्रभारी ने उपरोक्त चारों को अलग-अलग जगह से गिरफ्तार कर जुर्म धारा 170 126 135 के तहत पुलिस हिरासत में अभियुक्तों को जेल भेजा चौकी प्रभारी की इस कार्यवाही से शरारती तत्वों में हड़कंप मच गया। कोतवाली कालपी के प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर टरननगंज कालपी चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र सिपाही अभिषेक यादव पुलिस बल के साथ रविवार को नगर में भ्रमण कर रहे थे तभी झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने मिर्जा मंडी निवासी सुनील पुत्र लाखन सिंह अपनी पत्नी को गाली गलौज कर झगड़ा कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया इसी क्रम में पुलिस टीम ने काशीराम कॉलोनी निवासी गण अरमान रिजवान पुत्रगण मोहम्मद रईस सोनू पुत्र बादल समेत तीनों विद्युत लाइट लगाने को लेकर आपस में गाली गलौज कर झगड़ा कर रहे थे तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली हवालात में बंद किया उक्त घटनाओं में कालपी पुलिस ने चारों अभियुक्तों के खिलाफ अलग-अलग चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

फर्जी परमिट मौरम खनन परिवहन पर दो पर मुकदमा दर्ज

जालौन, जीएनएस। निकटवर्ती ग्राम जोल्हूपुर स्थित बालू-मौरंग भंडारण स्थल से कथित फर्जी ई-परमिट के जरिए उपखनिज परिवहन के मामले में खनिज इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार राम की शिकायत पर कोतवाली कालपी पुलिस ने भंडारण अनुज्ञप्तिधारी आरोपी यशपाल सिंह समेत दो लोगों के खिलाफ बीएनएस एवं खनन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज होने पर मौरम माफियाओं में हड़कंप मच गया। उक्त प्रकरण को लेकर वादी जनपद के खनन इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार राम ने कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि खनिज विभाग की जांच में सिक्योरिटी पेपर पर दर्ज ई-फार्म सी नंबर, सीरियल नंबर, वाहन संख्या और तिथि में कथित छेड़छाड़ किए जाने की बात सामने आई जांच में ई-फार्म सी क्रमांक 3138260799036600474 का दो अलग-अलग सिक्योरिटी पेपर पर इस्तेमाल किए जाने तथा वाहन संख्या एमपी 07 एएच 3060 को दोबारा इस्तेमाल करने का आरोप है खनन इंस्पेक्टर के अनुसार फर्जी परिवहन प्रपत्र के जरिए उपखनिज का परिवहन कर आर्थिक लाभ लेने तथा सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने का आरोप है मामले की विवेचना ज्ञान भारती चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विपिन कुमार सिंह कर रहे हैं मुकदमा दर्ज होने के बाद खनन कारोबारियों में खलबली मची है। बताया गया है कि इस प्रकार का फर्जी बाड़ा पिछले महीने से चल रहा था इस मामले में कई अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं पुलिस विवेचना में कई दोषियों का नाम उजागर होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य शिविर में टीम द्वारा चार दर्जन मरीज का किया इलाज

जालौन, जीएनएस। शासन की महात्वाकांक्षी योजना के तहत रविवार को कालपी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकीय टीम के द्वारा 47 मरीजों का उपचार करके स्वस्थ रहने का परामर्श दिया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदनपुरा कालपी में चिकित्साधिकारी डॉक्टर अमित पोरवाल की अध्यक्षता में आयोजित मेले में 47 मरीजों का इलाज किया गया। जिसमें 26 पुरुष, 21 महिला मरीज शामिल रहे।इस दौरान शुगर के 6 टेस्ट किए जबकि बुखार तथा स्किन के 7-7 मरीजों की जांच की गयी।महिला चिकित्सक डॉ रंजना सिंह ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारियां देते हुये जागरूक किया। मेले में कंडोम, टेबलेट तथा सामग्रियों का वितरण कर परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया।

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय-मनोज दुबे

भितरवार-ग्वालियर रविबार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकीय विभाग मध्यप्रदेश शासन से संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षकता विकास कार्यक्रम अंतर्गत एम एस डब्ल्यू और बी एस डब्ल्यू की कक्षाओं में आज शासकीय महाविद्यालय भितरवार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पखवाड़े के परिप्रेक्ष्य में संगोष्ठी आयोजन की गई संगोष्ठी में विकास खण्ड समन्वयक अधिकारी मनोज दुबे ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन परिचय, अंत्योदय और

एकात्म मानववाद पर विचार व्यक्त किए, साथ ही बरिष्ठ समाज सेवी नगर आंतरी ब्रजमोहन शेजवार और परामर्शदाता दीपक नामदेव ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद और अंत्योदय पर विचार व्यक्त किए परामर्शदाताओं कुलदीप नामदेव, कोमल सिंह रावत, पालेंद्र सिंह राणा, लक्ष्मण प्रजापति, और दीपक के द्वारा पंचायतीराज, विकास की अवधारणा, संचार और कौशल, नेतृत्व विकास, सामाजिक और सामुहिक कार्यों पर परामर्श दिया गया कक्षाओं में विकास खण्ड समन्वयक मनोज दुबे ने सेवा संकल्प अभियान में सहभागिता करने के लिए भी छात्र-छात्राओं को संकल्प कराया गया साथ ही साथ सेवा भावी लोगों को सम्मानित भी किया गया और दो अक्टूबर से बारह अक्टूबर तक विभिन्न विभागों के साथ शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हुए सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्य और कार्यक्रमों में सहभागिता का आह्वान किया गया है आज की कक्षाओं में विकास उपाध्याय,अतुल उपाध्याय,वीरेन्द्र शर्मा,नीतू गौड़, काजल शर्मा, निखिल प्रजापति, गौरव, कीमती, आकाश जाटव,गौरव रावत, तमन्ना शर्मा, लक्ष्मण आदिवासी, सपना, नेहरू, नेहा शर्मा, ध्रुवराज, मोहिंन, पवन राबत, प्रीति, किरण कुशवाह, अर्जुन गौड़, हेमंत कुशवाह सहित अनेक लोगों ने सहभागिता कराई इस अवसर पर महाविद्यालय के सेवादार हरी बाथम , एम एस डब्ल्यू छात्र-रश्मि गौड़, बाली बाथम, अनिल राठौर को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विश्व हृदय दिवस विशेष - 29 सितंबर 2026

नुकसान पहुंचाने पूरा वातावरण है गुलज़ार, अपने दिल का खुद ही रखें ख्याल

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने भौतिक सुख के चक्कर में अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ समझौता कर लिया हैं। जिधर देखो उधर अनैतिकता, स्वार्थ, धोखाधड़ी का साम्राज्य फैला हुआ हैं। कोई हमसे ऊंची आवाज में भी बात करें तो हम पलटकर उल्टा जवाब देते या वादविवाद करते है, परंतु कोई मिलावटखोरी, प्रदूषण, अस्वच्छता के द्वारा हमें महंगे लाइलाज जानलेवा बीमारियां भी दे दे तो हम उफ़ तक नहीं करते, क्योंकि हमनें अपनी मानसिकता को उस प्रकार से ढाल दिया हैं। हम केवल प्रत्यक्ष रूप से होनेवाली समस्या के लिए थोड़े-बहुत जागरूक होते है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से जानेवाली हमारी जान की हमें कभी परवा ही नहीं होती। बढ़ती मानवीय लालसा ने पुरे पृथ्वी पर दूषित वातावरण का चक्रव्यूह रचा है, जिसने समस्त जीवसृष्टि को घातक बीमारियों से जकड़ा हैं। असमय होनेवाली मौतों में बेतहाशा वृद्धि ने भयावह रूप दर्शाया है, परंतु मनुष्य है कि समझना ही नहीं चाहता। ऐसे लोगों की गलती की सजा अन्य मासूमों को भी अपनी जान गवांकर चुकानी पड़ती हैं।

दूषित वातावरण के कारण आज तेजी से जानलेवा बीमारियां बढ़ी हैं। कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक बीमारियों के नाम अब हमें रोजाना ही सुनने मिलते हैं। एकदम स्वस्थ मनुष्य जो, नशा नहीं करता है, हमेशा पोषक आहार लेता है, बेहतर निरोगी जीवनशैली का अनुसरण करता है, ऐसे मनुष्य भी घातक बीमारियों से जान गवां रहे है, क्योंकि निकृष्ट दर्जे की खाद्य पदार्थों की भरमार, मिलावटखोरी और दूषित वातावरण में सांस लेने को मजबूर हैं। हमारी चटोरी जुबान के स्वाद के लालच में पशुओं के लायक भी न हों ऐसे खाद्य पदार्थ हम बड़े चटकारे लेकर खाते है और समस्त शरीर को कूड़ेदान बनाते हैं। खराब कोलेस्ट्रॉल तो अब हमारे शरीर का हिस्सा बन गया हैं। हमारे देश में तो मीठा, मैदा, मसाला, तेल, नमकीन बगैर दिनचर्या ही पूरी नहीं होती, जबकि यह बेहद घातक हैं। बढ़ता मोटापा, आलस्य, लंबे समय तक बैठकवाला कार्य अधिक मुश्किलें बढ़ाता हैं। बीमारी के कारण बढ़ता आर्थिक तनाव और मानसिक अस्वस्थता भी हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्नत देशों ने जिस खाद्य पदार्थों या उत्पादों पर बैन लगाया है, वह भी हमारे देश में धड़ल्ले से बिकते हैं। जानलेवा रसायनों का खाद्य पदार्थों में प्रयोग और नकली खाद्यपदार्थ बाजारों को गुलजार बना रहे हैं।

लालची व्यापारी या दूकानदार अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी मासूमों के जान से खिलवाड़ करने से नहीं डरते। तुकाराम मुंडे महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने मिलावटखोरी, नकली खाद्य पदार्थ, निकृष्ट खाद्य पदार्थों पर पाबंदी हेतु कड़े नियम लगाएं हैं। जिसके कारण करोड़ों रुपयों के जानलेवा खाद्य पदार्थों के बाजार पर ग्रहण लगा है, जरा सोचिए, इस ग्रहण से पहले धड़ल्ले से चलनेवाले कारोबार द्वारा इस जानलेवा खाद्य पदार्थों जैसे - रसायन से तैयार नकली दूध, उससे तैयार पनीर, मिठाइयां, विविध व्यंजन ने न जाने

अब तक कितने मासूमों को घातक बीमारियों से ग्रस्त करके समय से पहले ही मार दिया। स्वस्थ रहने के लिए हर क्षेत्र में ऐसे मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की सख्त जरूरत हैं।

आज के वातावरण में हृदय संबंधी रोगों से होनेवाली मौतों की संख्या चरम पर हैं। दो दशक पहले तक ऐसे विकार अमीर और बुजुर्गों के हिस्से मानते थे। लेकिन आज छोटे बच्चे भी हृदय विकार से जान गवां रहे हैं। विश्व हृदय फेडरेशन अनुसार, हर साल वायु प्रदूषण के कारण 70 लाख लोगों की मौत होती है। वायु प्रदूषण से जुड़ी मौतों में से 50 फीसदी मौतें दिल की बीमारी और स्ट्रोक के कारण होती हैं। खाना पकाने के लिए आग जलाने से निकलने वाले धुएं के संपर्क में आने से हर साल 38 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती हैं। हर साल उच्च कोलेस्ट्रॉल के कारण 44 लाख लोगों की असमय मौत होती हैं। लैंसेट में छपी एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि, अनुमानित 10 करोड़ लोग ऐसी दिल की बीमारियों के साथ जी रहे हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसमें जान गवानेवाले अधिकतर गरीब होते हैं। साल 2023 में दुनिया भर में 23 लाख बच्चे जन्मजात हृदय रोग के साथ पैदा हुए। अमेरिका में, जटिल जन्मजात हृदय रोग के लिए जीवन भर का औसत खर्च प्रति मरीज 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि जीवन भर का कुल आर्थिक असर 3.35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से भी ज़्यादा हैं। ग्लोबल अलायंस फॉर क्रॉनिक डिजीज के अनुसार, साल 2021 में दिल और रक्त वाहिकाओं की बीमारियों की वजह से 2.05 करोड़ लोगों की मौत हुई, जो दुनिया भर में हुई कुल मौतों का 32 फीसदी है। हृदय रोग से होने वाली 85 फीसदी मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक के कारण होती है, इसमें से 75 फीसदी से ज़्यादा मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।

देश में हर साल दिल और हृदय-वाहिका संबंधी बीमारियों से लगभग 28 - 31 लाख लोगों की असमय मौत होती हैं। साल 2024 में हृदय रोग से होने वाली कुल मौतों की संख्या 3,165,172 थी। भारत में दिल की बीमारी के लगभग 70 फीसदी मरीज़ों के पास स्वास्थ्य बिमा नहीं है और वे आर्थिक सुरक्षा से वंचित हैं। इस बीमारी की वजह से लगभग 32 फीसदी मरीज़ों और 36 फीसदी परिवारों की महीने की आय में बेहद कमी आती हैं। 17.7 फीसदी परिवारों को मेडिकल खर्चों को पूरा करने के लिए अनिश्चित समय के लिए लोन लेना पड़ता है या संपत्ति बेचनी पड़ती हैं। आजकल छोटे-छोटे स्कूली बच्चे खेलते-खेलते गश आकर गिर पड़ते है और चिकित्सक बताते है कि, हृदयघात से जान गई। बड़ा अजीब लगता है कि, इतने छोटे बच्चे भी हृदय रोग से जान गवांते है, क्योंकि हमारे आसपास वातावरण ही इतना दूषित हो गया हैं।

हृदय को कमजोर बनानेवाली चीजों से सर्वदा दूर रहें। किसी भी प्रकार का नशा जानलेवा साबित होता है, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह को नियंत्रित रखें। पोषक आहार लें। वजन नियंत्रित रखें। मानसिक तनाव को नजरअंदाज न करें, खुशनुमा वातावरण बनाये रखें। 8 घंटों की पूरी नींद, रोजाना व्यायाम, हेल्दी हॉबी को प्राथमिकता दें। झूठे दिखावे से बचें। जिन्हे भावनाओं की कदर न हो, उनसे दूर रहें, लोगों से उम्मीदें न पालें, मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आधुनिक जीवनशैली का त्याग करें। मीठा, मसाला, मैदा, तेल, नमकीन, पैक्ड खाद्य पदार्थ, कोल्डड्रिंक, अधिकतम प्रक्रिया किये गए खाद्यपदार्थ शरीर को खराब करते हैं। खाद्यपदार्थों का चयन स्वाद अनुसार नहीं, बल्कि पोषण देखकर करें। प्लास्टिक से बनी थैली, बर्तन, बोतल, का प्रयोग तुरंत बंद करें। खाद्यपदार्थों के लिए प्लास्टिक वस्तुओं का प्रयोग जहर के समान हैं। हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखें। आधुनिक संसाधनों पर निर्भरता कम करें। आलस्य त्यागें। लगातार बैठकवाले कार्य टालें, अगर संभव न हो तो थोड़ा ब्रेक भी लें। सामाजिक परोपकारिता का ध्यान रखें, सभी नागरिक समान है, इसलिए पर्यावरण को नुकसान पहुचानेवालों का कड़ा विरोध करें। निरोगी रहने के लिए पहले शुद्ध ऑक्सीज़न, पोषक आहार और साफ जल चाहिए, यह कभी न भूलें। जब भी कोई प्रदूषण, मिलावटखोरी, अस्वच्छता, पेड़ कटाई, अतिक्रमण, शोर, भ्रष्टाचार करता है, तो एक बात ध्यान रखें कि वह आपकी ही जान अप्रत्यक्ष रूप में ले रहा हैं। कीड़े-मकोड़ो की तरह अपनी जिंदगी बर्बाद न करें। जिंदगी फिर नहीं मिलती, स्वास्थ्य ही धन हैं।

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरींदे अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें।

माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजराईल हम्मास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ओफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी।

दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेंगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्याज के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है।

तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शादियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं।

पोषण आहार की उपयोगिता बताई, योजनाओं की जानकारी के साथ किया वृक्षारोपण

'आंगन मिलन सेवा' में बच्चों के चेहरे खिले

ग्वालियर जीएनएस

'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत रविवार को आंगनबाड़ी केंद्र रेशममिल वार्ड-16 में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के बच्चों को पोषण आहार की उपयोगिता की जानकारी दी गई। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में बच्चों के अभिभावकों को बताया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, करुणा सक्सेना, अरुण परमार, गिरजा गर्ग, चेतन तोमर, गौरव वाजपेयी, हैप्पी फाउंडेशन के हेमंत निगम सहित महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक सीमा शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी उपासना राय, सहायक संचालक राहुल पाठक, परियोजना अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता और राघवेन्द्र सिंह मौजूद रहे। आंगनबाड़ी के बच्चे और उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

आशीष अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से होने चाहिए। बच्चों के बीच पहुंचकर आनंद और प्रसन्नता का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि 'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से आमजन को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

नागरिकों से चर्चा कर जानी समस्याएं, संधारण और गुणवत्ता जांच के दिए निर्देश

ढोलीबुआ पुल के पास खराब सड़क का मंत्री ने किया निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के ढोलीबुआ पुल के पास बस्ती में बरसात से खराब हुई सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद नागरिकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानीं और अधिकारियों को सड़क के संधारण कार्य को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र बाबू यादव, नगर निगम के कार्यपालन यंत्री वेदप्रकाश निरंजन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री कुशवाह ने अधिकारियों से सड़क की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और बारिश के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क संधारण का काम सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। इसके साथ ही क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। मंत्री ने सड़क खराब होने के कारणों की जांच कराने और संधारण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से मौके की स्थिति के अनुरूप शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

गायत्री शक्तिपीठों को जनजागृति का केंद्र बनाने पर जोर, जन्म शताब्दी अभियान की समीक्षा

गायत्री चेतना केंद्र में पांच जिलों के कार्यकर्ताओं की गोष्ठी

ग्वालियर जीएनएस

अखिल विश्व गायत्री परिवार के गायत्री चेतना केंद्र पिंटो पार्क, मुरार में वंदनीया माताजी की जन्म शताब्दी अनुयाज की समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित की गई। गोष्ठी में ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया और शिवपुरी जिलों के तहसील एवं जिला समन्वयकों के साथ नवचेतना केंद्र, महिला मंडल, प्रज्ञा मंडल और गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

यह जानकारी उपजोन मीडिया प्रभारी लाल बहादुर सिंह और गायत्री चेतना केंद्र के व्यवस्थापक संजय शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में भोपाल से जोन समन्वयक आरसी गायकवाड़, शिक्षक प्रशिक्षणकर्ता दिनेश देशमुख तथा ग्वालियर प्रभारी डीपी लवानिया मौजूद रहे। दिनेश देशमुख ने वंदनीया माताजी की जन्म शताब्दी अभियान के प्रथम चरण की समीक्षा की। साथ ही अगले महीने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले दूसरे चरण की तैयारियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गायत्री शक्तिपीठों को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखकर जनजागृति के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जोन समन्वयक आरसी गायकवाड ने गायत्री परिवार के संगठन की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य करे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करते हुए मिशन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक का समापन मिशन के कार्यों को गति देने के संकल्प के साथ हुआ। अंत में उपजोन प्रभारी ग्वालियर संभाग डीपी लवानिया ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

सनाढ्य ब्राह्मण सभा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र पटसारिया का किया सम्मान

गिरिराज मंदिर पर पूर्णिमा भंडारा, भक्तों ने ग्रहण की प्रसादी

ग्वालियर जीएनएस

ओल्ड हाईकोर्ट स्थित श्री गिरिराज महाराज जी एवं श्री हनुमान मंदिर पर पूर्णिमा के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। गिरिराज बाबा सेवा समिति की ओर से आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर सनाढ्य ब्राह्मण सभा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र पटसारिया का गिरिराज बाबा सेवा समिति की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता कटारे का भी स्वागत-सत्कार किया गया। ममता कटारे ने कहा कि भगवान की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

भंडारे के आयोजन में अध्यक्ष राजकुमार पांडे, महंत दीपक शर्मा, राजेंद्र पुजारी, पंडित मनोज बुधौलिया भारद्वाज, शरद पाराशर, रामगोपाल झा, संदीप पांडे, भूपेन्द्र पटसारिया, नंदिनी पांडे, सुनीता शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी भक्तों ने भंडारे की प्रसादी ग्रहण की।

महिला समन्वय की अखिल भारतीय बैठक में कुटुंब और सामाजिक समरसता पर हुआ मंथन

मातृशक्ति को समाजकार्य से जोड़ने पर जोर

ग्वालियर जीएनएस

महिला समन्वय की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का समापन रविवार को एलएनआईपीई के रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में हुआ। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ विचार से प्रेरित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ देश के सभी प्रांतों से 305 महिला प्रतिनिधियों तथा प्रमुख कार्यकर्ताओं सहित करीब 400 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह मुकुंद, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भैयाजी जोशी, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांताक्का तथा महिला समन्वय की अखिल भारतीय संयोजिका एवं विश्व हिंदू परिषद की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष

मीनाक्षी ताई विशेष रूप से उपस्थित रहीं। दो दिन चले विभिन्न सत्रों में महिला समन्वय के कार्य को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। महिला विमर्श, विभिन्न संगठनों के कार्यों में महिलाओं की भूमिका और उनकी उपलब्धियों सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। संगठन और समाजकार्य में मातृशक्ति की सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कुटुंब और सामाजिक समरसता जैसे विषयों को अधिक से अधिक मातृशक्ति तक पहुंचाने तथा इनके माध्यम से समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने की दिशा में कार्य करने पर भी मंथन हुआ। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए और महिला सहभागिता को व्यापक बनाने के लिए आगामी कार्ययोजना पर विचार किया।

गायत्री मंदिर में पितरों के निमित्त प्रतिदिन हो रहा सामूहिक तर्पण

पोरसा, जीएनएस।
पितृपक्ष (कनागत) के पावन अवसर पर नगर के गायत्री मंदिर में पितरों के निमित्त प्रतिदिन सामूहिक तर्पण का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु अपने दिवंगत पूर्वजों का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए विधि-विधान से तर्पण कर रहे हैं। मंदिर परिसर में योग्य पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक रूप से तर्पण की धार्मिक प्रक्रिया संपन्न कराई जा रही है।

आयोजन के तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गायत्री मंदिर पहुंचे और अपने पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान पंडितों ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं को तर्पण की विधि कराई तथा पितरों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और स्मरण के महत्व की जानकारी दी। सनातन परंपरा में पितृपक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष अवसर माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन दिनों पितरों का स्मरण, तर्पण, श्राद्ध तथा दान-पुण्य करने से पूर्वजों के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन होता है। इसी भावना के साथ श्रद्धालु अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों के निमित्त तर्पण करते हैं।

मान्यता है कि तर्पण में जल अर्पित करते समय पितरों का नाम और स्मरण किया जाता है। इसका मूल भाव अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करना है। धार्मिक परंपरा में यह भी माना जाता है कि पितरों के निमित्त किए गए श्राद्ध, तर्पण, दान और सेवा से परिवार में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की जाती है।

पितृपक्ष में अनेक परिवार अपने पितरों के निमित्त भोजन तैयार करते हैं और परंपरा के अनुसार ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं। इसके साथ ही गाय तथा कौओं को भोजन कराने की भी परंपरा है। श्रद्धालु इसे अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सेवा-भाव से जोड़कर देखते हैं।

धार्मिक मान्यता में तर्पण के साथ दान-पुण्य और जरूरतमंदों की सेवा को भी महत्वपूर्ण माना गया है। इस प्रकार पितृपक्ष केवल कर्मकांड तक सीमित न रहकर परिवार की नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के जीवन, संस्कारों और उनके योगदान को याद करने का अवसर भी प्रदान करता है।

तर्पण से जुड़े माने जाने वाले लाभ

धार्मिक दृष्टि से तर्पण के कई आध्यात्मिक लाभ माने जाते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि इससे–

- पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त होती है।
- परिवार में पूर्वजों की स्मृति और संस्कारों को जीवित रखने की प्रेरणा मिलती है।
- मन को शांति और संतोष की अनुभूति होती है।
- परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की जाती है।
- दान, सेवा और परोपकार की भावना को बढ़ावा मिलता है।
- नई पीढ़ी को भारतीय धार्मिक एवं पारिवारिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

इन लाभों को धार्मिक मान्यताओं के रूप में देखा जाता है; इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित परिणाम के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता।

अमावस्या तक जारी रहेगा सामूहिक तर्पण

गायत्री मंदिर पोरसा में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सामूहिक तर्पण का आयोजन अमावस्या तक प्रतिदिन जारी रहेगा। आयोजन के दौरान योग्य पंडितों द्वारा विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कराया जा रहा है। मंदिर परिसर में पहुंच रहे श्रद्धालु अपने-अपने पितरों का स्मरण करते हुए जल अर्पित कर रहे हैं और परिवार की सुख-शांति, आरोग्य एवं समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पितृपक्ष के इस आयोजन से मंदिर परिसर में श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। समाचार का मूल संदेश यही है कि पितृपक्ष में किया जाने वाला तर्पण भारतीय परंपरा में पूर्वजों के प्रति सम्मान, स्मरण और कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है।

मेज़ों पर पानी का राज़...!

गरीब देश की ऊँची कुर्सी, अफसरशाही का अंदाज़,
जनता प्यासी, सूखे हलक, मेज़ों पर पानी का राज़।
कहीं नलों में पानी गायब, कहीं सूखें खेत-खलिहान,
कहीं घड़ों में दरारें पड़ती, कहीं %बोतलों% का सम्मान।
500 रूपये लीटर की चर्चा, बोतल कीमत आसमान,
इस देश में हर बूँद की कीमत, इतना महँगा जलपान!
चुनावों की बड़ी-बड़ी बैठक, लोकतंत्र का भारी काम,
जनता के विश्वास की खातिर, हर दिन है नया पैगाम।
ना विरोध किसी के जल का, ना किसी सुविधा से बैर,
जनता के धन का हिसाब हो और पारदर्शिता की खैर।
कुर्सी चाहे जितनी ऊँची हो, जनता से ऊँचा कोई नहीं,
सेवा-संकल्प जीवित हो, वहाँ दिखावे की जगह नहीं।
500 लीटर या पाँच बोतल, प्रश्न उठे तो जवाब भी दो,
जनता के विश्वास की खातिर, हर खर्च का हिसाब दो।
लोकतंत्र की ये पुकार है, जनता ही असली सरकार है,
पानी की हरेक बूँद बचाने में, देश का सच्चा संस्कार है!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

रतवास या रहटवास? रेलवे स्टेशन के नाम को लेकर असमंजस, यात्रियों की परेशानी पर उठे सवाल

रतवास, जीएनएस।
भारत सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर रतवास में रेलवे स्टेशन का निर्माण कराया गया। वर्ष 2013 में स्टेशन भवन पर भी ÷रतवास÷ नाम अंकित किया गया। स्थानीय नक्शों और अन्य दस्तावेजों में भी स्थान का नाम रतवास दर्ज होने की बात सामने आती है। इसके बावजूद रेलवे की आधिकारिक वेबसाइटों, टिकट व्यवस्था और अन्य ऑनलाइन माध्यमों में स्टेशन का नाम ÷रहटवास÷ दर्ज होने से यात्रियों और स्थानीय रहवासियों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब रेलवे स्टेशन रतवास गांव के बीच स्थित है और स्टेशन भवन पर स्पष्ट रूप से ÷रतवास÷ लिखा हुआ है, तो रेलवे के टिकट, वेबसाइट और अन्य आधिकारिक रिकॉर्ड में अलग नाम क्यों प्रदर्शित किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार नाम में इस अंतर के कारण बाहर से आने वाले यात्रियों को स्टेशन की पहचान करने में परेशानी होती है।

वर्षों से नहीं हुआ समाधान

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन के निर्माण और नाम अंकित किए जाने के बाद लंबे समय से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन अब तक संबंधित स्तर पर इस विसंगति को दूर करने के लिए प्रभावी पहल नहीं हुई। इससे रेलवे की कार्यप्रणाली और अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी मामले को लेकर सुनील आचार्य ने संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया। आचार्य के अनुसार, अधिकारियों की ओर से संदेश के माध्यम से बताया गया कि स्टेशन का नाम स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा तय किया जाता है।

इसके बाद आचार्य ने जिला प्रशासन से संबंधित पत्र अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उनका कहना है कि नाम तय करने की प्रक्रिया चाहे जिस स्तर पर हुई हो, लेकिन आम यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन का नाम हर आधिकारिक रिकॉर्ड, टिकट, वेबसाइट और स्टेशन भवन पर एक समान होना चाहिए।

एक नाम, एक पहचान की मांग

सुनील आचार्य ने कहा कि रेलवे जैसी महत्वपूर्ण परिवहन व्यवस्था में स्टेशन के नाम को लेकर किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर यह स्पष्ट करे कि आधिकारिक रूप से स्टेशन का नाम क्या है और यदि सही नाम ÷रतवास÷ है तो रेलवे की वेबसाइट, टिकटिंग सिस्टम और अन्य रिकॉर्ड में दर्ज ÷रहटवास÷ को शीघ्र सुधारा जाए। स्थानीय रहवासियों ने भी रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन से मामले में समन्वय कर स्टेशन के नाम की विसंगति दूर करने की मांग की है, ताकि यात्रियों को भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी या भ्रम का सामना न करना पड़े। अब सवाल यह है कि स्टेशन भवन पर ÷रतवास÷ और रेलवे के ऑनलाइन रिकॉर्ड में ÷रहटवास÷–इन दोनों में आधिकारिक रूप से सही नाम कौन-सा है? यात्रियों की सुविधा के लिए संबंधित विभाग को स्थिति स्पष्ट कर एक समान नाम दर्ज करना होगा।

जीवाजी विश्वविद्यालय में एनएसएस के विश्वविद्यालय स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ, प्रबुद्ध विभूतियों ने किया राष्ट्र निर्माण का आह्वान

ग्वालियर, जीएनएस।
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्र्) प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सात दिवसीय विश्वविद्यालय स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। जिसमें ग्वालियर चंबल संभाग के सभी जिलों से 315 स्वयंसेवक/प्रतिभागी/कार्यक्रम अधिकारी/जिला संगठक महोदय शामिल हुए।

जिसका 28 सितम्बर 2026 को शिविर का विधिवत उद्घाटन गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर के प्रथम दिन का आरंभ प्रातः 5ः00 बजे जागरण, प्रभात फेरी एवं शारीरिक प्रशिक्षण (पी.टी.) के साथ हुआ। तत्पश्चात

स्वामी विवेकानंद केंद्र, ग्वालियर के संगठक श्री श्रवण जी ने स्वयंसेवकों को योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया। शिविर के सुचारू संचालन व नेतृत्व कौशल संवर्धन के उद्देश्य से प्रतिभागियों को 5 कार्यदलों में विभाजित कर विभिन्न दायित्व सौंपे गए।

सत्र के मुख्य अतिथि रामकृष्ण मिशन ग्वालियर के प्रमुख परम पूज्य स्वामी श्री कृष्णमित्रानंद पुरी जी महाराज ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक जीव की अंतर्निहित शक्ति को पहचानना ही जीवन का वास्तविक ध्येय है। उन्होंने युवाओं से चरित्र निर्माण, आत्मशक्ति और ध्यान के माध्यम से %विकसित भारत% की कमान संभालने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष श्री देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने कहा कि एनएसएस केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि चरित्र और राष्ट्र निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा विश्व के स्वाभाविक नेतृत्वकर्ता हैं और स्वामी विवेकानंद जी के विचारों का अनुसरण कर वैश्विक स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत सरकार के क्षेत्रीय निर्देशालय (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) के उप सलाहकार डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने शिविर को जीवन की वास्तविकता, सेवा, धर्म और अनुशासन का अद्भुत संगम बताया तथा स्वयंसेवकों को निरंतर समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जीवाजी विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य एडवोकेट भानु प्रताप सिंह एवं जीनियस इंटरनेशनल स्कूल, ग्वालियर की डायरेक्टर श्रीमती रक्षणा सासोड़े विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के निर्देश पर तथा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद गुना ने विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया

गुना, जीएनएस।
नानाखेड़ी स्थित स्थानीय मैरिज गार्डन में गुना विधायक श्री पन्नालाल शाक्य, जिला कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति सविता अरविंद गुप्ता द्वारा सेवा संकल्प यात्रा में वाराणसी से आये यात्रियों के साथ नगर के सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात सभी जन प्रतिनिधियों ने वार्ड क्र 01 नानाखेड़ी में स्वच्छता श्रमदान किया। इसके पश्चात नगर पालिका द्वारा वार्ड क्र 01 नानाखेड़ी, वार्ड क्र 02 सिसोदिया कॉलोनी, न्यूसिटी कॉलोनी,दलवी नगर, वार्ड क्र 03 दुर्गा कॉलोनी,वार्ड क्र 04 जगदीश कॉलोनी,वार्ड क्र 05 तुलसी बस्ती,सिसोदिया कॉलोनी, वार्ड क्र 06 कर्नलगंज क्षेत्र में बृहद सफाई अभियान प्रारंभ किया गया। इस

दौरान सभी वार्डो के पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री शैलेश अवस्थी, उपस्थित रहे। अभियान के दौरान अतिक्रमण विरोधी करवाही की गई तथा गंदगी करने पर स्पॉट फाइन भी लगाए गए। ठेलों पर विक्रय करने वालों पर पॉलीथिन का उपयोग करने पर उनकी पॉलीथिन जप्त की गई किए

तथा चालानी कार्रवाही की गई। अभियान में पार्षद राधा कुशवाह, बबिता राजेश साहू, रश्मी शर्मा, अनिता महेन्द्र कुशवाह, एवं ओम प्रकाश कुशवाह अपने अपने वार्डो में उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि शासन निर्देशानुसार विशेष स्वच्छता अभियान तीन अक्टूबर तक चलाया जायेगा, जिसमें प्रतिदिन छह वार्ड लिए गए हैं, जिनमें सभी वार्डो के सफाई कर्मचारियों द्वारा दोपहर के समय में सफाई कार्य कराया जाएगा। वर्षाकाल के पश्चात एकत्रित हुई गंदगी को उचित रूप से साफ कराया जा सकेगा, सीएमओ श्री अवस्थी ने नगरिकों से अपील की है कि वह शहर को स्वाछता में सहयोग करें।

-प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी ठाणा तीन ने बताई नवकार महामंत्र की महिमा

नवकार महामंत्र जाप और रक्षा कवच वितरण के साथ संपन्न हुआ सामूहिक क्षमावाणी पर्व

शिवपुरी, जीएनएस। आठ दिन तक चले श्वेताम्बर जैन समाज के पर्युषण पर्व का विधिवत समापन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नवकार महामंत्र जाप, क्षमावाणी और सामूहिक साधर्मिक वात्सल्य के साथ औपचारिक रूप से समापन हुआ। यह रस्म आज से 25 वर्ष पूर्व साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज साहब की प्रेरणा से स्थानकवासी जैन समाज ने प्रारंभ की थी। जिसमें स्थानकवासी समाज के साथ-साथ श्वेताम्बर मूर्ति पूजक समाज भी बढ़ चढ़?र भाग लेता हैं। इस वर्ष यह सौभाग्य रहा कि यह धार्मिक पर्व 25 वर्ष पश्चात साध्वी प्रमोद कुंवर जी, साध्वी चेतना जी और साध्वी समीता जी के सानिध्य में उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान नवकार महामंत्र का जाप हुआ, साध्वी समीता जी ने नवकार महामंत्र की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला और साध्वी प्रमोद कुंवर जी ने समाज के सभी गणमान्य नागरिकों को इस अवसर पर रक्षा कवच का वितरण किया और कहा कि इस रक्षा कवच के धारण करने से न केवल सांसारिक बल्कि आध्यात्मिक उन्नति भी होती हैं।

समापन अवसर पर श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कोचेटा ने याद दिलाया कि पर्युषण पर्व के पश्चात यह धार्मिक समारोह प्रतिवर्ष 25 सालों से साध्वी प्रमोद कुंवर जी की प्रेरणा से संचालित हो रहा है और निकट भविष्य में भी होता रहेगा तथा यह खुशी की बात है कि इस वर्ष साध्वी प्रमोद कुंवर जी की उपस्थिति में यह समारोह आयोजित हो रहा है। मूर्तिपूजक जैन समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि इससे दिलों की कटुता दूर होती है और समाज के लोगों में भातृभाव तथा प्रेम की भावना का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार श्रीमाल ने किया।

इस वर्ष स्थानकवासी जैन समाज में चातुर्मास के दौरान पर्युषण पर्व खासे उत्साह के साथ मनाया गया। तीन वर्षों के पश्चात पहली बार स्थानकवासी समाज में साध्वी जी का चातुर्मास हो रहा है इससे समाज में तपस्या और धर्म आराधना की झड़ी लग गई। पर्युषण पर्व में अंतगढ़ सूत्र और कल्पसूत्र का वाचन हुआ तथा भगवान महावीर का जन्मोत्सव बहुत उत्साह तथा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आधा सैकड़ा से अधिक श्रावक और श्राविकाओं ने पर्युषण पर्व के दौरान कठोर तपस्या की। प्रति दिन प्रवचन और प्रतिक्रमण का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। पर्युषण पर्व के दौरान प्रतिक्रमण में साधक प्रतिदिन सुबह और शाम अपनी गलती और भूलों के लिए क्षमा याचना करते हैं तथा अंतिम दिन सांवत्सरिक प्रतिक्रमण में वर्ष भर की अपनी भूलों के लिए संसार के समस्त प्राणियों से क्षमा याचना की गई। अंतिम दिन तपस्या करने वाले श्रावकों का सम्मान स्थानकवासी जैन समाज, श्रीमाल परिवार और रीतेश गुलिया परिवार ने प्रथक-प्रथक रूप से किया। पर्युषण पर्व की समाप्ति के बाद सुविधाजनक तिथि पर नवकार महामंत्र के जाप का सामूहिक रूप से आयोजन किया गया। इसमें स्थानकवासी और मूर्तिपूजक जैन समाज के सदस्यों ने एक घंटे तक नवकार महामंत्र का जाप किया। इस जाप के बाद अपने संबोधन में साध्वी समीता जी ने बताया कि नवकार महामंत्र जैन धर्म का एक सबसे पवित्र और सर्वोच्च महामंत्र हैं। जिसमें किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि संपूर्ण रूप से विकसित और वीतरागी आत्माओं का गुणगान किया जाता हैं। इस महामंत्र के जाप से दो करोड़ के वलियों, अनंत सिद्धों, किसी भी धर्म के आचार्यों, उपाध्यायों, नौ हजार करोड़ साधु साध्वियों को नमस्कार किया जाता हैं। नवकार महामंत्र के जाप से जीवन में विनम्रता आती है और मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर स्थानकवासी जैन महिला मंडल ने धर्म प्रभावना बढ़ाने के लिए श्रीमती यशोदा शर्मा और हरी शर्मा का अभिनंदन किया और उन्हें सम्मानित किया। आभार प्रदर्शन की रस्म राजेश कोचेटा ने निर्वहन की। अंत में सामूहिक साधर्मिक वात्सल्य के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दमोह में भारतीय स्त्री शक्ति का सघन जनसंपर्क, परिवारों से संवाद कर महिला सशक्तिकरण का संदेश

दमोह, जीएनएस। भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन दिनों सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज 27 सितंबर रविवार को दमोह नगर में संगठन की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न परिवारों में पहुंचकर संपर्क किया और महिलाओं से संवाद करते हुए संगठन के कार्यों, उद्देश्यों तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की।

जनसंपर्क अभियान में भारतीय स्त्री शक्ति की वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सागर जिला उपाध्यक्ष डॉ. ममता सिंह, जिला संयोजक डॉ. हंसा वैष्णव, जबलपुर जिला अध्यक्ष श्रीमती शैलवाला बैरागी, सागर नगर अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा उपाध्याय सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। कार्यकर्ताओं ने नगर के अनेक परिवारों में पहुंचकर महिलाओं से संगठन की गतिविधियों को लेकर चर्चा की और उन्हें महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान भारतीय स्त्री शक्ति के पांच प्रमुख आयाम शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन, समरसता एवं स्वाभिमान को विशेष रूप से सामने रखा गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि महिलाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा स्वास्थ्य परीक्षण जैसी गतिविधियों के माध्यम से उन्हें स्वस्थ एवं जागरूक बनाने पर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही कौशल विकास, स्वयं सहायता समूह और उद्यमिता प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान महिला सुरक्षा, महिलाओं के अधिकारों और समाज में महिलाओं की प्रभावी सहभागिता जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। संगठन का उद्देश्य महिलाओं को केवल व्यक्तिगत स्तर पर सक्षम बनाना ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक बदलाव की प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ाना भी है। परिवार संपर्क अभियान के पश्चात आयोजित बैठक में भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश के संगठनात्मक कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि आगामी 3 एवं 4 जनवरी 2027 को जबलपुर में विभाग सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। सम्मेलन के साथ प्रशिक्षण वर्ग भी आयोजित किया जाएगा। इसके लिए अभी से संपर्क अभियान और संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक मातृशक्ति को कार्यक्रमों से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा रतले, श्रीमती सरोज तिवारी, श्रीमती हिमानी दुबे, श्रीमती शोभा तिवारी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने नगर के विभिन्न परिवारों में पहुंचकर संपर्क किया। परिवारों में पहुंचने के दौरान महिलाओं के साथ संवाद कर उनकी सहभागिता और संगठन के कार्यों से जुड़ने को लेकर भी चर्चा की गई। भारतीय स्त्री शक्ति मध्यप्रदेश महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत गैर-राजनीतिक एवं स्वयंसेवी संगठन है। संगठन का कार्य महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वावलंबन, समानता और आत्मसम्मान के माध्यम से सक्षम बनाने पर केंद्रित है। संगठन द्वारा महिलाओं के लिए शैक्षणिक अवसर, स्वास्थ्य जागरूकता, नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वयं सहायता समूह, उद्यमिता प्रशिक्षण तथा महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों का भोपाल में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन आरंभ

ग्वालियर, जीएनएस। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के आव्हान पर भोपाल के नीलम पार्क में आर टी ई अधिनियम 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से छूट देने एवं प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता बहाल करते हुए पुरानी पेंशन लागू करने की मॉंग को लेकर शिक्षकों ने 27 सितम्बर 2026 से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन चालू कर दिया।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ग्वालियर के जिला संयोजक लक्ष्मी नारायण जाटव ने बताया कि प्रांतीय स्तर पर पूर्व निर्धारित विरोध प्रदर्शन के क्रम में भोपाल संभाग के सभी शिक्षकों ने 27 सितम्बर 2026 से नीलम पार्क भोपाल में हजारों की संख्या में पहुंच कर धरना प्रदर्शन में भाग लिया इसी क्रम में 29 सितम्बर को ग्वालियर चंबल संभाग के समस्त जिलों (ग्वालियर, शिवपुरी दतिया, गुना,अशोकनगर, भिण्ड मुरैना, श्योपुर) के हजारों शिक्षक धरना स्थल नीलम पार्क भोपाल पर पहुंच कर आंदोलन में भाग लेंगे इसलिए ग्वालियर चंबल संभाग के सभी शिक्षक साथियों से दिनांक 29 सितम्बर 2026 को सुबह 10 बजे नीलम पार्क भोपाल में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर अपने हक अधिकारों के लिए आंदोलन को सफल बनाने की अपील की जाती है।

द्वितीय ओपन नेशनल सॉफ्ट बॉक्स क्रिकेट चैंपियनशिप का समापन, मध्य प्रदेश बना विजेता, बंगाल बना उपविजेता

मथुरा, जीएनएस। जनपद के स्थानीय बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित 'द्वितीय ओपन नेशनल बॉक्स सॉफ्ट क्रिकेट चैंपियनशिप' का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि बंगाल की टीम उपविजेता रही। इस चैंपियनशिप में देश के 9 राज्यों–मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, बिहार, बंगाल, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित अन्य टीमों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। लीग मैचों के बाद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में बंगाल ने उत्तर प्रदेश को हराकर और मध्य प्रदेश ने राजस्थान को परास्त कर फाइनल में अपनी जगह बनाई। ? खिताबी मुकाबले में बंगाल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 48 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए मात्र 4 ओवरों में बिना कोई विकेट गंवाए दस विकेट से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में डॉ. राम तवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेश चंद्र शर्मा और राष्ट्रीय अपराध रोकथाम परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अरविंद चित्तौड़िया ने शिरकत की। इसके अलावा, खेल संघों के प्रतिनिधि और शहर के कई गणमान्य नागरिक भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

गले के कैंसर में रोबोटिक सर्जरी: किन मरीजों को मिल सकता है TORS का फायदा?

ग्वालियर, जीएनएस।
गले और सिर के कैंसर के इलाज में अब ऐसी आधुनिक तकनीकें उपलब्ध हैं, जिनसे कैंसर को हटाने के साथ-साथ मरीज की बोलने और निगलने की क्षमता को भी बचाने की कोशिश की जाती है। ऐसी ही एक आधुनिक तकनीक है ट्रांसोरल रोबोटिक सर्जरी (ञ्ह्रक्र)। इसमें मुंह के रास्ते रोबोटिक उपकरणों की मदद से गले के अंदर मौजूद ट्यूमर को हटाया जाता है। इससे बाहर से बड़ा चीरा लगाने की जरूरत कम हो सकती है और स्वस्थ ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है।

बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर एवं यूनिट हेड , डॉ. सौरभ गुप्ता ने बताया, ÷ञ्ह्रक्र में रोबोटिक उपकरण और 3ष्ठ कैमरे की मदद से गले के अंदर ट्यूमर को साफ तरीके से देखा और हटाया जाता है। इससे मरीज की आवाज और निगलने की क्षमता को बचाने में मदद मिल सकती है।

TORS का फायदा खासतौर पर शुरुआती या सीमित ओरॉफैरिंजियल कैंसर, जैसे टॉन्सिल और जीभ के आधार के कैंसर वाले चुनिंदा मरीजों को मिल सकता है। ॥क्क्ङ्क से जुड़े कुछ गले के कैंसर में भी यह तकनीक उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा, कुछ चुनिंदा सुप्राग्लॉटिक लैरिंजियल कैंसर में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। डॉ. गुप्ता ने आगे बताया ,यदि गर्दन की लिम्फ नोड में कैंसर मिले, लेकिन कैंसर की मुख्य जगह का पता न चले, तो ञ्ह्रक्र की मदद से टॉन्सिल और जीभ के आधार की जांच कर छिपे हुए ट्यूमर का पता लगाने में मदद मिल सकती है। कुछ मरीजों में पहले रेडिएशन के बाद कैंसर दोबारा होने पर भी यह सर्जरी विकल्प हो सकती है। ट्यूमर की जगह, आकार, फैलाव और मरीज की स्थिति देखकर विशेषज्ञों की टीम फैसला करती है। सही मरीज में यह तकनीक कम दर्द, कम खून बहने और जल्दी रिकवरी के साथ इलाज में मदद कर सकती है।

खेत बेचने के विवाद में युवक के पिता से बेरहमी से मारपीट, तीन के खिलाफ मामला दर्ज

दतिया के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रिछरा मौजा में खेत के पास मारपीट का मामला सामने आया है। 19 वर्षीय पीयूष अहिरवार की रिपोर्ट पर पुलिस ने राकेश यादव, विक्रम यादव और रूपा अहिरवार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि तीनों ने लाठी-डंडों से उसके पिता के साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में घायल की हालत गंभीर बताई गई है। घायल के परिजनों का आरोप है कि आरोपी खेत बेचने का दबाव बना रहे थे, इसी विवाद के चलते घटना हुई। सिविल लाइन थाना पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला न्यायालय से 26 सितंबर को प्रदीप बंसल जी के पक्ष में आदेश हो जाने पर आज पुनः दोबारा जिला न्यायालय द्वारा आदेश पारित हो जाने पर उपसचिव पद के लिए नामांकन पत्र जमा किया गया।

एमपी ट्रांसको ने रतलाम में स्थापित किया 200 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जा मंत्री तोमर रबी सीजन में मिलेगी बेहतर विद्युत व्यवस्था

भोपाल, जीएनएस।
ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने उत्तरी मालवा क्षेत्र की विद्युत पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए रतलाम के 220 केवी सबस्टेशन की क्षमता में वृद्धि की है। रतलाम सबस्टेशन में वर्ष 1988 में स्थापित सेकंड जेनरेशन के 160 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर नये थर्ड जेनरेशन तकनीक आधारित 220/132 केवी वोल्टेज स्तर का 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है।

रतलाम जिले का पहला 200 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि रतलाम जिले में पहली बार इतनी उच्च क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे क्षेत्र की विद्युत पारेषण व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा आगामी रबी सीजन के दौरान किसानों और अन्य उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। एमपी ट्रांसको रतलाम - मंदसौर के अधीक्षण अभियंता श्री वाय आर मांडलेकर ने बताया कि रतलाम में ऊर्जीकृत हुआ यह पावर ट्रांसफार्मर प्रदेश का 19 वां 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर है। मालवा क्षेत्र में इस क्षमता का यह पांचवां पावर ट्रांसफार्मर है। इसके स्थापित होने से रतलाम 220 केवी सबस्टेशन की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 520 एमवीए हो गई है।

यह रतलाम जिले का 28वां पावर ट्रांसफार्मर है। एमपी ट्रांसको जिले में अपने 10 सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण व्यवस्था का संचालन कर रही है। इनमें 220 केवी के रतलाम, जावरा एवं सैलाना सबस्टेशन तथा 132 केवी के रतलाम, सैलाना, शिवगढ़, ताल, आलोट और बिलपांक सबस्टेशन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त नगरा में एक स्विचिंग सबस्टेशन भी संचालित है। नए पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने के साथ ही रतलाम जिले की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 2165 एमवीए की हो गई है।

नगर निगम ने बिरला नगर और लक्ष्मीगंज एबीसी सेंटर में लगाए नि:शुल्क टीकाकरण शिविर

ग्वालियर, जीएनएस।
विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर को रेबीज मुक्त बनाने की दिशा में एक विशेष पहल की गई। इस क्रम में नगर निगम द्वारा बिरला नगर और लक्ष्मीगंज स्थित एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर में नि:शुल्क रेबीज रोधी टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया गया।

सहायक नोडल अधिकारी एबीसी सेंटर श्री गौरव परिहार ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर में रेबीज के खतरे को समाप्त करने और श्वानों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से यह नि:शुल्क वैक्सीनेशन ड्राइव चलाई गई। नागरिकों को अपने आसपास के आवारा श्वानों के टीकाकरण और उनकी देखभाल के प्रति जागरूक भी किया गया। रेबीज एक घातक बीमारी है, जिससे समय पर टीकाकरण कराकर पूरी तरह बचा जा सकता है। शिविर के दौरान स्थानीय नागरिकों और पशु प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने अपने पालतू कुत्तों के साथ-साथ अपने क्षेत्रों के आवारा कुत्तों को भी सेंटरों पर लाकर नि:शुल्क रेबीज का टीका लगवाया। निगमायुक्त ने आमजन से अपील की है कि वे अपने पालतू जानवरों का नियमित टीकाकरण कराएं और आवारा कुत्तों के बधियाकरण व टीकाकरण अभियान में नगर निगम की टीम का सहयोग करें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन समारोह का आयोजन

पोरसा, जीएनएस।
सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज सोमवार, 28 सितंबर 2026 को शिवम गार्डन में आंगन मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर महोदय लोकेंद्र कुमार जांगिड़ एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री ओम प्रकाश पांडे के निर्देशन में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ममता भदौरिया, प्रदेश संयोजक महिला स्वयं सहायता समूह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुम देवी रामवीर सिंह तोमर ,,,भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती ममता तोमर, श्रीमती ओमना विश्वनाथन एवं महिला मोर्चा पोरसा की श्रीमती वंदना गुप्ता उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात परियोजना अधिकारी कुमारी सपना यादव द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के संदेश/भाषण का वाचन कर उपस्थित जनों को सुनाया गया।

समारोह के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत चयनित पांच बालिकाओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। बालिकाओं को सम्मानित करते हुए अतिथियों ने महिला एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में कार्यक्रम के दौरान विशेष गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म मुख्य अतिथियों द्वारा संपन्न कराई गई। इस अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा गर्भवती महिलाओं की देखभाल के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

निगमायुक्त ने वार्ड 16 का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने क्षेत्रीय कार्यालय 5 स्थित वार्ड 16 में साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा जोन कार्यालय में सम्पत्तिकर वसूली के संबंध में जानकारी उपलब्ध न कराने एवं वसूली में लापरवाही को लेकर वार्ड 16 एवं वार्ड 12 के कर संग्रहक को नोटिस जारी करने निर्देश दिए।

निगमायुक्त श्री चौधरी उपनगर ग्वालियर अंतर्गत हजीरा क्षेत्र में

वार्ड 16 में सर्वप्रथम जोन कार्यालय का निरीक्षण किया तथा जोन कार्यालय में पदस्थ कर संग्रहकों से संपत्ति कर वसूली की जानकारी प्राप्त की । जानकारी न देने एवं कम वसूली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए वार्ड 12 के कर संग्रहक श्री आशू जाटव एवं वार्ड 16 के कर संग्रहक श्री प्रेम नारायण कुशवाहा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड में निरीक्षण के दौरान कांच मिल रोड पर सीवर फैलते हुए मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल सीवर चेम्बर की सफाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बिरला नगर सब्जी मंडी में सीएंडडी वेस्ट का मलबा होने पर डब्ल्यूएचओ पर नाराजगी व्यक्त की तथा तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षेत्र में पशु डेयरी संचालकों द्वारा गोबर नाली में बहाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए डेयरी संचालकों पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षेत्र में जल का अपव्यय करने वालों पर भी कार्यवाही के निर्देश पीएचई के अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही कांच मिल पार्क का निरीक्षण किया तथा पार्क में झूले टूटे पाये जाने पर एवं अन्य अव्यवस्थाएं होने पर संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दो दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य बिंदुओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही चंदन नगर में भवन निर्माण कार्य की देरी को लेकर कार्यपालन यंत्री को कार्य समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद श्री महेन्द्र आर्य, अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, सिटी प्लानर श्री सुरेश अहिरवार, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री श्री रामसेवक शाक्य, क्षेत्राधिकारी श्री अभय प्रताप सिंह तोमर सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शुभारंभ होते ही 15 प्रविष्टियां हुई जमा

पंजाबी परिषद समिति के कार्यालय में 17 वे युवक युवती परिचय सम्मेलन का हुआ श्री गणेश

ग्वालियर, जीएनएस। सोमवार को पंजाबी परिषद समिति के 17 वे युवक युवती परिचय सम्मेलन को लेकर समिति के पाटनकर बाजार शिवाजी पार्क के सामने कार्यालय में शुभारंभ किया गया समिति के अध्यक्ष अशोक मारवाह ने बताया कि पिछले 16 वर्षो से समिति हर वर्ष युवक युवती परिचय सम्मेलन करवाती है जिसमें प्रतिवर्ष ग्वालियर के साथ-साथ ग्वालियर अंचल एवं अन्य शहरों सहित विदेशो सेभी काफी संख्या मै युवक युवती के बायोडाटा एकत्रित होते हैं, इसी के साथ कई परिवारों

को मिलवाने, कुंडली मिलान, एवं रिश्ते भी तय कराए जाते हैं, इसी श्रृंखला में आज समिति कार्यालय में पूजा अर्चना कर परिचय सम्मेलन का कार्य शुरू किया, प्रतिदिनकार्यालय में मिलने का समय सुबह 11ः00 बजे से 2ः00 बजे तक रहेगा ओ प्रविष्टियां जमा की जाएगी, इस अवसर पर संरक्षक कुलवीर भारद्वाज, जनसेवा संयोजिका प्रमिला मारवाह, महामंत्री जी के सूरी, उपाध्यक्ष नरेंद्र बेदी, कोषाध्यक्ष आत्म प्रकाश, मंगिया,कुलभूषण गंभीर, आलोक चिचड़ा, सुनील चिचड़ा, राजीव पोपली,सुनील वाधवा, रीटा मल्होत्रा, सपना वाधवा,प्रीती अरोरा, लक्ष्मी जुनेजा,राधा ठकराल, संध्या चिचडा, सिम्मी कुकरेजा,अनीता कपूर, मोनिका अरोरा,रीना गंन्दोत्रा, मीडिया प्रभारी राजू पंडित सहित भारी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बानमोर में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

मुरैना, जीएनएस। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बानमोर में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा सामान्य स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श उपलब्ध कराना रहा। शिविर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बानमोर गांव की चिकित्सक डॉ. शालिनी सक्सेना ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. किरार ने कहा कि स्वस्थ शरीर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

शिविर में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. ऋचा गुप्ता, डॉ. ज्योति, डॉ. सना खान, डॉ. जसवंत, डॉ. धर्मेंद्र सिंह धाकड़, डॉ. अतुल, डॉ. कृपाल सिंह, सहायक प्राध्यापक शिवम परमार, सहायक प्राध्यापक दुर्गा शंकर लोधी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्टाफ का सहयोग रहा।

विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विचारों को मंच प्रदान करना सेवा संकल्प अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य - प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा

सेवा संकल्प अभियान में प्रतिभाओं ने भरी विकसित भारत की उड़ान, जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न

मुरैना, जीएनएस। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, मुरैना में जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विकासखंडों से चयनित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत की संकल्पना पर अपने विचारों और कल्पनाओं को चित्रों एवं भाषण के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के राजस्व मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विचारों को मंच प्रदान करना सेवा संकल्प अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। चित्रकला एवं भाषण जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मकता तथा अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है। विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रतियोगिता में सहभागिता स्वयं में एक उपलब्धि है।महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी ने विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति और विचारों को भविष्य के भारत की मजबूत नींव बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाहा ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाले ऐसे आयोजन समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। विकसित भारत का संकल्प विद्यार्थियों की ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार से साकार होगा। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. योगेश पाल गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने के साथ ही उन्हें अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। पूर्व मंत्री श्री गिर्राज दंडोतिया, पूर्व विधायक श्री रघुराज कंसाना, श्री महेंद्र सिंह यादव एवं श्री बृजकिशोर दंडोतिया ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। जिला स्तर पर शिक्षा विभाग के लिए अभियान के समन्वयक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रत्येक विकासखंड से भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता का अवसर प्रदान किया गया। जिला स्तर पर चयनित विद्यार्थी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी गौरी शर्मा, कक्षा 12, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, मुरैना ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान इकरा फातिमा, कक्षा 10, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पोरसा तथा तृतीय स्थान कुमारी सौम्या मुद्गल, शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैलारस ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिषेक यादव, कक्षा 12, शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सबलगढ़ ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान कान्हा शर्मा, कक्षा 12, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सबलगढ़ तथा तृतीय स्थान कुमारी सृष्टि कुशवाहा, कक्षा 9, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, मुरैना ने प्राप्त किया। कुमारी पलक, कक्षा 6, शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बाह को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने विजेता एवं विशेष पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं सफल संचालन में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मा को प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी,कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव उपस्थित रहे।

'एक साथ मजबूत' की थीम पर मनाया गया विश्व रेबीज दिवस

स्वास्थ्य संस्थाओं में जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित, कुत्ते के काटने पर तत्काल घाव धोने एवं चिकित्सकीय सलाह लेने की दी गई जानकारी

मुरैना, जीएनएस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के निर्देशन में जिले में 28 सितंबर को ÷एक साथ मजबूत÷ की थीम पर विश्व रेबीज दिवस मनाया गया। जिला चिकित्सालय सहित जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को रेबीज संक्रमण, लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। जनसमुदाय को बताया गया कि कुत्ते अथवा किसी अन्य संदिग्ध पशु के काटने या खरोंच लगने पर घाव को तत्काल साबुन एवं बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए और बिना विलंब निकटतम स्वास्थ्य संस्था में पहुंचकर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

जिला चिकित्सालय में आयोजित जागरूकता गतिविधि में कार्यक्रम नोडल अधिकारी एनआरसीपी डॉ. महेन्द्र यादव, डीसीएम श्री सुनील प्रजापति सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम नोडल डॉ. महेन्द्र यादव ने बताया कि विश्व रेबीज दिवस मनाने का उद्देश्य मनुष्यों एवं पशुओं पर रेबीज के प्रभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसकी रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष की थीम ÷एक साथ मजबूत÷ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2030 तक कुत्तों से फैलने वाले रेबीज से होने वाली मानव मृत्यु को समाप्त करने के लक्ष्य की दिशा में जनजागरूकता महत्वपूर्ण है।

जिले के जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर रेबीज प्रिवेंशन एवं पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस संबंधी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वास्थ्य संस्थाओं में एंटी रेबीज वैक्सीन एवं आवश्यकता अनुसार रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की उपलब्धता तथा रेबीज के संदिग्ध मामलों के उचित प्रबंधन, पीईपी एवं रेफरल प्रोटोकॉल के संबंध में स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। आमजन को एंटी रेबीज क्लिनिक की उपलब्ध सेवाओं तथा समय पर वैक्सीन एवं आवश्यकता अनुसार इम्यूनोग्लोबुलिन के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

कुत्ते के काटने या खरोंच लगने पर घाव को तत्काल कम से कम 15 मिनट तक बहते साफ पानी एवं साबुन से अच्छी तरह धोएं। इसके बाद पोविडोन आयोडीन या अन्य उपयुक्त एंटीसेप्टिक लगाया जा सकता है। बिना विलंब निकटतम शासकीय स्वास्थ्य संस्था या अस्पताल में जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। चिकित्सक की सलाह के अनुसार एंटी रेबीज वैक्सीन एवं आवश्यकता होने पर रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन अवश्य लगवाएं। यदि काटने वाला कुत्ता पालतू है, तो उसे 10 दिनों तक निगरानी में रखें तथा उसकी स्थिति की जानकारी चिकित्सक को दें। चिकित्सक द्वारा निर्धारित उपचार एवं टीकाकरण का पूरा कोर्स समयानुसार पूरा करें।

नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुरैना, जीएनएस। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय जौरा में विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ द्वारा नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' एवं 'नशामुक्त कराना है, भारत को बचाना है' जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा ने विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टाफ को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अंकिता मिश्रा ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नीलम राजपूत के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने नशामुक्ति विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन तैयार किए। विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। डॉ. दिनेश कुमार ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. चंदन प्रकाश डिमल, प्रोफेसर अशिका राघव एवं प्रोफेसर साकेत सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता की।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और छिंदवाड़ा समेत कई शहरों से पहुंचे सेवानिवृत्त बैंककर्मी

सेंट्रल बैंक सेवानिवृत्त कर्मचारियों की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

ग्वालियर जीएनएस

मध्य प्रदेश सेंट्रल बैंक रिटायर्ड संगठन की ग्वालियर इकाई के तत्वावधान में शनिवार को होटल एंबिएंस स्टेशन परिसर में राज्य स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, छिंदवाड़ा और ग्वालियर से सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में ग्वालियर इकाई की ओर से उपाध्यक्ष एसपी रिछारिया, क्षेत्रीय सचिव अश्विनी कुमार जुनेजा तथा कार्यकारिणी सदस्यों मनोहर वालेचा, एसएल लहरिया, मोहन गुर्जर और हेमंत गुप्ता ने बाहर से आए सदस्यों का स्वागत किया।

अध्यक्ष श्याम कस्तूरे ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। महासचिव किशोर धर्माधिकारी ने दिसंबर में इंदौर में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की सातवीं कॉन्फ्रेंस की तैयारियों और संगठन की आगामी गतिविधियों के बारे में बताया। उप महासचिव अय्यर ने स्वास्थ्य बीमा से संबंधित जानकारी साझा की। अखिल भारतीय स्तर पर गठित स्वास्थ्य संबंधी समिति की सदस्य आशा तिवारी ने विभिन्न सदस्यों के स्वास्थ्य बीमा दावों से जुड़े मामलों की जानकारी दी।

वी. रगन ने सर पोचखानवाला डेथ रिलीफ स्कीम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में सदस्यों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। संगठन पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का भरोसा देते हुए सुझावों पर अमल का आश्वासन दिया। बैठक को एमएल वर्मा, महिला प्रतिनिधि नंदा मजूमदार, शिवाजी मोहित, महिला प्रतिनिधि उषा फर्नांडीज, आशा तिवारी, रामानी और जबलपुर से एमएस चौहान ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन आंतरिक सचिव राजीव श्रीवास्तव ने किया। छिंदवाड़ा से श्री जैन ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

बैठक के बाद सभी सदस्यों के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया। अंत में क्षेत्रीय सचिव अश्विनी कुमार जुनेजा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एक साल से बंद लाइट व्यवस्था से अंधेरा

झलकारी बाई पार्क की बदहाली पर कोरी समाज ने सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर जीएनएस।

वीरांगना झलकारी बाई पार्क में व्याप्त समस्याओं और सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी को लेकर अखिल भारतीय कोरी समाज की ग्वालियर युवा शाखा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। युवा शाखा के जिलाध्यक्ष राहुल शाक्य के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने पार्क की व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि वार्ड क्रमांक 22, जोन क्रमांक 10 में आकाशवाणी चौराहे के पास स्थित मां वीरांगना झलकारी बाई पार्क में करीब एक वर्ष से बिजली और प्रकाश व्यवस्था बंद है। शाम होते ही पार्क में अंधेरा छा जाता है। समाज पदाधिकारियों का आरोप है कि अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व पार्क में शराबखोरी, नशाखोरी, छेड़खानी सहित अन्य गतिविधियां करते हैं। इससे पार्क में आने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

समाज की ओर से बताया गया कि पार्क की प्रकाश व्यवस्था और अन्य समस्याओं को लेकर नगर निगम की जनसुनवाई में पूर्व में दो बार लिखित आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सात दिन का दिया अल्टीमेटम : कोरी समाज ने जिला प्रशासन और नगर निगम को सात दिन का समय देते हुए पार्क में प्रकाश व्यवस्था बहाल कराने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। समाज पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि तय अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर कलेक्ट्रेट के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान राहुल शाक्य सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पितृपक्ष की द्वितीया पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गायत्री चेतना केंद्र में श्रद्धालुओं ने किया पितृ तर्पण

ग्वालियर जीएनएस।

पितृपक्ष के अवसर पर पिंटू पार्क स्थित गायत्री चेतना केंद्र में श्राद्ध एवं तर्पण कार्यक्रम श्रद्धा और विधि-विधान के साथ चल रहा है। पितृपक्ष की द्वितीया तिथि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने केंद्र पहुंचकर अपने पितरों के निमित्त तर्पण किया और उनकी आत्मशांति व सद्गति की प्रार्थना की।

गायत्री चेतना केंद्र पर प्रतिदिन करीब 228 श्रद्धालुओं के तर्पण की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तर्पण तीन पालियों में कराया जा रहा है। पहली पाली सुबह 5 बजे, दूसरी सुबह 5.30 बजे और तीसरी पाली सुबह 7.30 बजे निर्धारित है।

केंद्र पर तर्पण की पूरी व्यवस्था निःशुल्क रखी गई है। श्रद्धालुओं को विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कराया जा रहा है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त कर उनकी आत्मशांति की कामना कर रहे हैं।

केंद्र के व्यवस्थापकों ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान निर्धारित तिथियों पर श्रद्धालु यहां पहुंचकर अपने पितरों के निमित्त तर्पण कर सकते हैं।

125 तपस्वियों का सम्मान, क्षमावाणी में उमड़ा जैन समाज

ग्वालियर जीएनएस

अखिल जैन समाज ग्वालियर के तत्वावधान में जैन छात्रावास प्रांगण में सामूहिक क्षमावाणी महोत्सव एवं तपस्वी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में आचार्य चैत्य सागर जी महाराज, मुनि अनुमान सागर जी महाराज एवं गणिनी आर्यिका शाश्वत मति माता जी का मंगल सानिध्य रहा। संतों की मौजूदगी में समाज के लोगों ने एक-दूसरे से क्षमा याचना कर मैत्री, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया। समाज के प्रवक्ता ललित जैन ने बताया कि समारोह में पर्युषण पर्व के दौरान 10 दिन तक निर्जला उपवास की साधना करने वाले करीब 125 तपस्वियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा जैन समाज के विशिष्टजनों को भी उनके सामाजिक एवं धार्मिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री वीर शिक्षा समिति ग्वालियर के मंत्री डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि ग्रेटर ग्वालियर जैन समाज की विभिन्न मंदिर कमेटियों तथा सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के सहयोग से पहली बार इस प्रकार का सामूहिक आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रही। समारोह में कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, पूर्व आईएएस आरके जैन, डॉ. पीसी जैन, विकास गंगवाल, निर्मल कोठारी, सुनील दफ्तरी, बालचंद जैन, भाजपा नेता विनय जैन, चौधरी वीरेंद्र जैन, निर्मल पाटनी और प्रवीण गंगवाल सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

परिषद भवन का काम गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस। जमुना बाग नर्सरी स्थित निर्माणाधीन स्व. माधव शंकर इंदापुरकर निगम परिषद भवन का नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने सोमवार को निरीक्षण किया। उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

यूथ हॉस्टल्स पदाधिकारियों ने शहीद त्रिमूर्ति सर्किल पर किया माल्यार्पण, उनके विचार जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

भगत सिंह की जयंती पर यूथ हॉस्टल्स ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

ग्वालियर जीएनएस

यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ग्वालियर की ओर से महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह की जयंती पर सोमवार को शहीद त्रिमूर्ति सर्किल, यूथ हॉस्टल्स तिराहा, हेमसिंह की परेड पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था की संरक्षक एवं पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता और पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन के राज्य उपाध्यक्ष एवं संस्था सचिव रामनारायण मिश्रा तथा चेयरमैन शैलेंद्र माहौर ने पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ भगत सिंह के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा लेने तथा उनके विचारों को जनसामान्य तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह ने कम उम्र में ही देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। वे केवल क्रांतिकारी और देशभक्त ही नहीं, बल्कि अध्ययनशील विचारक, लेखक, पत्रकार, दार्शनिक और चिंतक भी थे। उन्होंने विभिन्न देशों की क्रांतियों का अध्ययन कर उनके विचारों को समझा और देश की स्वतंत्रता के लिए युवाओं में जोश व जागरूकता पैदा की।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सुनील राय, भूपेंद्र शर्मा, संतोष दास, संजू कुरुसानी, पवन गर्ग, जयदेव गुप्ता, रविंद्र राजपूत, अरविंद राजावत, रवि आनंद गौड़, शैलेंद्र यादव, अजय गुप्ता, वैभव सिंघल सहित संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को मिष्ठान वितरित किया गया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।